दैनिक
नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
RNI-MPHIN/2016/69280
शिवपुरी, ग्वालियर, भोपाल, झांसी से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं
वर्ष : 10 अंकः 292 | ग्वालियर,शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

संक्षिप्त समाचार

चीन और वियतनाम में तबाही मचाने के बाद अब भारत पहुंच रहा तूफान विफा...क्या होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्तमान में देश में जोरदार मानसून का मौसम है, जो तीखी गर्मी से राहत दिला रहा है लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में इसके चलते ऐसी तबाही मची हुई है कि तस्वीरें देखकर आप दंग रह जाएंगे। खासतौर पर जिन देशों को छूकर विफा तूफान गुजरा है, वहां अलग ही तबाही का मंजर दिखा रहा हैं। 20 से 23 जुलाई तक तूफान ने अपना विकराल रूप दिखाया है और अब ये बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। तूफान विफा ने दक्षिण-पूर्व एशिया में भारी तबाही मचाई, जिसने कई देशों को प्रभावित कर अब ये कमजोर होकर बंगाल की खाड़ी की तरफ आ रहा है। 18 जुलाई को ये तूफा पश्चिमी प्रशांत महासागर में बना। तूफा ने अपनी तीव्र गति और भारी बारिश के लिए जाना जा रहा है। विफा ने 20 जुलाई को लुज़ोन द्वीप के पास 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से प्रवेश किया। तब तक ये कैटेगरी-1 के तूफानों में शामिल था, यहां इस क्रिसिंग नाम दिया गया। तूफान ने भारी बारिश और भूस्खलन से कैगायन वैली और बिकोल क्षेत्रों में तबाही मचाई। तूफान की वजह से 5 लोगों की मौत, 7 लापता और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए। तूफान से करीब 400 सड़कें और 30 पुल क्षतिग्रस्त हुए। हालांकि साल 2013 के टाइफून हैयान की तुलना में विफा कम शक्तिशाली था, लेकिन इसकी बारिश और भूस्खलन ने स्थानीय समुदायों को गहरा नुकसान पहुंचाया। इसके बाद 21 जुलाई को विफा ने हॉन्ग कॉन्ग और ग्वांगडोंग में 167 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से लैंडफॉल किया। तब जुहाई और ग्वांगडोंग में 471 पेड़ उखड़े, 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और 26 लोग घायल हो गए। 3 घंटे में 110 मिलीमीटर की बारिश दर्ज की गई। इतना ही नहीं हांगकांग और मकाऊ में सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह से ठप हो गया। साल 2024 के टाइफून यागी की तुलना में विफा कम तीव्र था, लेकिन इसकी तेज हवाओं ने तटीय क्षेत्रों में भारी नुकसान किया।

रूसी प्लेन चीन सीमा के पास क्रैशः सभी 49 लोगों की मौत, कुछ घंटे पहले कंट्रोल रूम से संपर्क टूटा था

मास्को, एजेंसी। रूस का एक यात्री विमान चीन की सीमा के पास क्रैश हो गया है। हादसे में विमान में सवार 49 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। यात्रियों में 5 बच्चे भी शामिल थे। बचावकर्मियों को टिंडा से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर रूसी यात्री विमान का मलबा मिला है। रॉयटर्स के मुताबिक ये विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में उड़ रहा था। अमूर के गवर्नर वासिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर बताया कि लापता विमान अंगारा एयरलाइंस का है। लोकल इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने बताया कि विमान खाबरोवस्क, ब्लागोवेशचेंस्क होते हुए टिंडा जा रहा था। यह चीन की सीमा के पास है। टिंडा पहुंचने से पहले वह रडार से गायब हो गया और उसका संपर्क टूट गया।

दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश में गायब

इंटरफैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, विमान पहले टिंडा एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश में नाकामयाब रहा। जब उसने दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश की, तभी वह रडार से गायब हो गया। तास समाचार एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि यह विमान टिंडा एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर पहले एक तय चेकपॉइंट पर भी संपर्क नहीं कर पाया। टिंडा शहर रूस की राजधानी मॉस्को से करीब 6,600 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है।

सोना रु 1,653 गिरकर रु 98,880 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी रु 758 फिसलकर रु 1.15 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के दाम आज यानी 24 जुलाई को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम रु 1,653 घटकर रु 98,880 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पहले ये रु 1,00,533 पर था। वहीं चांदी की कीमत रु 758 कम होकर रु 1,15,092 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी रु 1,15,850 पर थी। कल यानी 23 जुलाई को सोना-चांदी अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे।

भारत और ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

दाल, चावल, मेवे, मसाले के कारोबारियों के लिए फायदा

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर आखिरकार गुरुवार को मोहर लग गई हैं। इसका मतलब है कि अब दोनों देशों के बीच चीजों का लेन-देन और व्यापार पहले से आसान और सस्ता होगा। इस डील के बाद भारतीय बाजार में विदेशी सामान सस्ते होने, जबकि भारत से होने वाले निर्यात में बड़ी छलांग लगने की उम्मीद है। दोनों देशों के कारोबारियों और विशेषज्ञों ने समझौते का स्वागत किया है। इसके पहले गुरुवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपने आधिकारिक आवास 'चेकर्स' में मेजबानी की। दोनों नेताओं ने गंभीर वार्ता से पहले अकेले में बातचीत की।

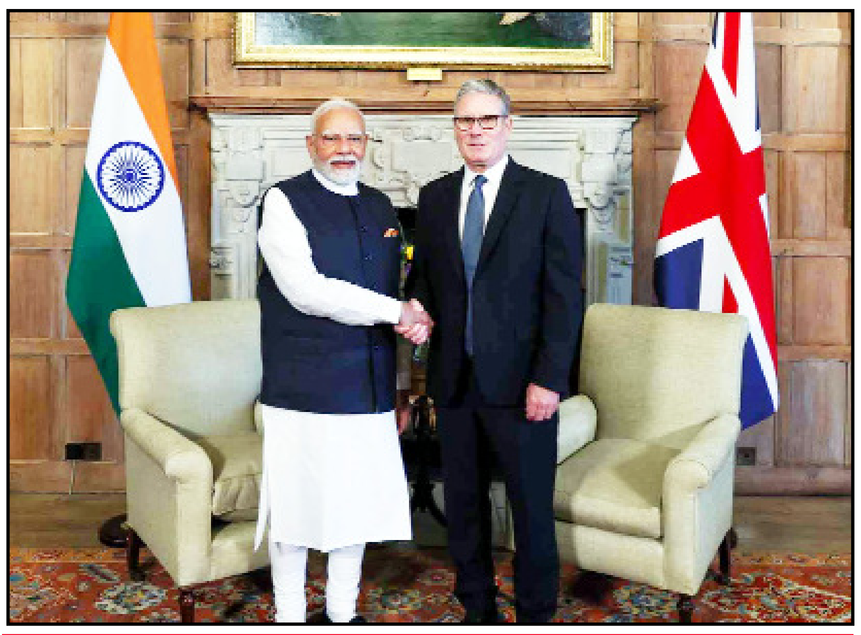

शराब, बीयर और फूड प्रोडक्ट्स पर टैक्स होगा कम

क्या बदल जाएगा इस फ्री ट्रेड डील

फ्री ट्रेड डील से भारत और ब्रिटेन के बीच आने-जाने वाले सामान और सेवाओं पर लगने वाला टैक्स (शुल्क) बहुत कम होगा। कागजों की भाग-दौड़ और मुश्किल सरकारी प्रोसेस भी बहुत आसान कर दी जाएगी। इससे भारत का एक्सपोर्ट 60 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। दोनों देशों के व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी की उम्मीद है।

किन्हें फायदा मिलेगा?

भारत और यूके में फ्री ट्रेड डील से खाने-पीने का सामान, जैसे दाल, चावल, मेवे, मसाले आदि भेजने वाले भारतीय कारोबारी और ब्रिटेन में ऐसी चीजें खरीदने वाले लोगों को फायदा होगा। शराब, बीयर और फूड प्रोडक्ट्स का व्यापार करने वाली कंपनियां पहले भारत से शराब भेजने पर 150 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब वह भी कम हो जाएगा। अब बहुत सी चीजें जैसे गाड़ियां, कपड़े, टैक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स दोनों देशों में पहले से सस्ती मिल सकती हैं। दोनों देशों में नौकरियां बढ़ने के आसार हैं।

आगे क्या होगा?

ब्रिटेन की संसद में इस समझौते को रखा जाएगा। वहां से औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद कुछ महीनों के भीतर यह लागू हो जाएगा। अनुमान है कि 2030 तक भारत और यूके का आपसी व्यापार दोगुना होकर करीब 120 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

हाथ में तिरंगा लेकर प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी का किया स्वागत

लंदन, एजेंसी। लंदन में कई दिनों से पीएम नरेंद्र मोदी के आने की खबर से उत्साह था। जैसे ही पीएम लंदन पहुंच तो प्रवासी भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सभी के हाथ में तिरंगा था और भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। पीएम मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म पर कुछ तस्वीरें साझा कर लिखा, ब्रिटेन में भारतीय समुदाय द्वारा दिए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं अभिभूत हूं। भारत की प्रगति के प्रति उनका स्नेह और जुनून सचमुच उत्साहवर्धक है। वहीं पीएम मोदी ने हाथ जोड़कर और हाथ मिलाकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। पीएम मोदी ने इस यात्रा को दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी के लिए लाभदायक बताया है। उन्होंने कहा इससे रोजगार और समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।लंदन पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में इस दौरे की अहमियत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, लंदन पहुंच गया हूं। यह यात्रा दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में काफी मददगार साबित होगी।

मध्यप्रदेश को औद्योगिक और रोजगार संपन्न राज्य बनाएंगेः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने किया 6 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन

अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में शीघ्र प्रारंभ होगी पुलिस चौकी, महिला अधिकारी भी होंगी पदस्थ

15 करोड़ 61 लाख लागत के विस्तारित अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र का हुआ भूमि-पूजन

युवा उद्योगपतियों को वितरित किए भूमि आवंटन आशय-पत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से किया संवाद

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे उद्योग और कारखाने मंदिरों की तरह हैं, जो लोगों के कष्ट मिटाते हैं। मध्यप्रदेश में उद्योगों का निरंतर जाल फैलाया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को पलायन की आवश्यकता नहीं है, नए उद्योग शुरू होने से प्रदश में तेजी से समृद्धि आएगी।

युवाओं को रोजगारपरक उद्योगों में प्रोत्साहन देते हुए 5 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। मध्यप्रदेश को औद्योगिक और रोजगार संपन्न राज्य बनाएंगे और मध्यप्रदेश देश का नंबर एक राज्य होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को भोपाल के निकट अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 416 करोड़ रूपये निवेश वाली 6 नवीन औद्योगिक इकाईयों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अचारपुरा विशेष औद्योगिक केन्द्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र एक्सटेंशन फेज-3 (ग्राम हज्जामपुर) का शिलान्यास भी किया, जो 31.21 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपति उद्योग लगाने के लिए आ रहे हैं। अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आज हर पीढ़ी के उद्यमी हैं। जहां गोकलदास एक्सपोर्टस प्रा.लि. के श्री प्रभात सिंह उपस्थित हैं वहीं सिनाई हेल्थकेयर के युवा श्री आदित्य शर्मा और एसेड्स प्राइवेट लिमिडेट के श्री रौनक चौधरी की उपस्थिति प्रसन्नता प्रदान कर रही है। अचारपुरा की तस्वीर बदल गई है। सावन का समय है और यहां उद्योगों की वर्षा हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सहित देशभर में उद्योग-व्यापार का वातावरण बना है। मध्यप्रदेश में उद्योग प्रारंभ करने के लिए छोटे-बड़े उम्र की कोई सीमा नहीं है और सरकार के द्वार सभी के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा कि खुशी का विषय है कि अचारपुरा की फैक्ट्रियों में ऐसी जैकेट बनाई जा रही हैं जो अमेरिका और अन्य देशों में निर्यात होती हैं। मध्यप्रदेश की प्रतिभाएं इन उत्पादों को तैयार कर विश्व में पहुंचा रही हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को निशाने पर लेकर कहा-

धोखाधड़ी के सौ प्रतिशत सबूत, बचकर निकल नहीं पाओगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए कहा, कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति देने के सौ फीसद सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा, कि यदि आयोग यह सोचता है कि वह इससे बच निकलेगा, तो यह उसकी गलतफहमी है।संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि हमारे पास कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति प्रदान करने के 100 प्रतिशत ठोस सबूत हैं। 90 नहीं, पूरे 100 प्रतिशत। उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी ने सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र की समीक्षा की है, और उसमें हजारों संदिग्ध वोटर मिले हैं। इन वोटरों की उम्र 50, 60 या 65 वर्ष की है, लेकिन वे नए मतदाता के तौर पर दर्ज हुए हैं। राहुल गांधी का दावा है, कि ऐसा नाटक सिर्फ एक क्षेत्र में नहीं, बल्कि संभवतः हर निर्वाचन क्षेत्र में चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जब यह सबूत सामने लाने का निर्णय लिया है, तो वह पूरी तैयारी के साथ सामने आएगी।

अपना काम नहीं कर रहा चुनाव आयोग

एसआईआर पर राहुल गांधी ने कहा कि यह मामला बहुत ही गंभीर मामला है। दरअसल चुनाव आयोग, भारत के चुनाव आयोग की तरह काम ही नहीं कर रहा। आज का उनका बयान भी पूरी तरह बकवास है। सच में कहा जाए तो चुनाव आयोग अपना काम नहीं कर रहा है।

45 आगम के रूप में जग विख्यात रहे पूज्य आनन्द सागर सूरीश्वर जी म.सा. : प.पू.आमीपूर्णा श्रीजी म.सा.

आराधना भवन में पूजन अर्चना कर मनाया गया पूज्य गुरूवर का 151वां जन्म महोत्सव

निज संवाददाता

शिवपुरी- जब भी इस धरती पर किसी महान पुरूष का जन्म होता है तो उसके प्रभावों का अनुसरण भी इस संसार के संसारी प्राणी करते है, अपने जीवन में हमेशा से 45 आगम के रूप में जग विख्यात रहे पूज्य आनन्द सागर सूरीश्वर जी म.सा. यह नाम भी हमें प्रेरणा देता है कि साक्षात ईश्वर समान रूप में 45 आगम के रूप में हमारे घर विराज रहे है, इसलिए अपने घरों को सजाए, द्वार सजाए, दीपक जलाए और परिवार के साथ आगम के आगमन की पूजा-अर्चना कर घर में देवस्थान वाली जगह पर आगम को स्थान दें और सपरिवार नियमिति पूजन करें, निश्चित ही आगम का प्रभाव आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति का वास कराएगा और आध्यात्मिक रूप से जुड़ सकेंगें। 45आगम की इस व्याख्या को अपनी ओजस्वी वाणी में श्रवण कराया प.पू.आमीपूर्णा श्रीजी म.सा. ने जो स्थानीय कोर्ट रोड़ स्थित श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ द्वारा आयोजित चातुर्मास के दौरान पूज्य गुरूवर आनन्द सागर सूरीश्वर जी म.सा. के जन्म महोत्सव पर आयोजित आर्शीवचन में गुरू की महिमा का बखान कर रही थी। इस अवसर पर श्रीसंघ की अन्य साध्वीयां भी मौजूद रही। इस अवसर पर 45आगम को समाज की महिलाओं के द्वारा आकर्षक स्वरूप में सजाया गया और सभी के बीच में श्रीधर्म पूजन के लिए रखा गया। जिससे पूज्य साध्वियों के द्वारा सराहा गया और सूक्ष्माधारी 45आगम की व्याख्या को भी के समक्ष बताया गया।इस अवसर पर पूज्य आनन्द

सागर सूरीश्वर जी म.सा. के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित आर्शीवचन में देते हुए प.पूज्य आमीपूर्णा श्रीजी म.सा. ने बताया कि एक समय जब माँ यमुना ने स्वप्न देखा देवित्य मान वृषभ आकाश से उतरकर उनके मुख में प्रवेश कर दिया, मध्यरात्रि के अंदर स्वप्न देखा तो माँ जाग गई और उठकर जाप करने लगे, यहां चौबिहार उपास की आराधना की अन्य धार्मिक क्रिया सुबह तक की गई और ईश्वर से प्रार्थना की मेरी कुक्षी के अंदर जो संतान आए वह केवली क्षमा श्रवण जैसा हो, अगले ही दिन स्वप्न देखा कि 45 चांदी के स्वास्तिक मंदिर के अंदर रखे है, इस स्वप्न को जब उन्होंने अपने गुरू को सुनाया तब गुरूजी ने कहा कि आपको बहुत ही सुंदर स्वप्र आया है आपको जो पुत्र रत्न प्राप्त होगा वह आगम की शान होगा और आपका पुत्र कही ना कहीं 45 से जुड़ा होगा, अमावस्या के दिन जब पूज्य गुरूवर का जन्म हुआ तो जन्म के 40 दिन बाद जब उन्हें मंदिर ले जाया गया तो वहां भी श्रावकों की संख्या भी 45 थी, 45 का नाता पूज्य गुरूवर के साथ जन्म से रहा, आगम का उद्धार करने वाले सागर सूरीश्वर जी म.सा. का नाम आग्मोद्धारक सागर सूरीश्वर जी म.सा. के नाम से जग विख्यात हुए। प्रखर बुद्धि के धनी आचार्य श्री की 45 आगम मुंह जुबानी थे, कौन से पृष्ठ पर क्या अंकित है वह उन्हें सैकेण्डों में बता देते थे, ऐसे गुरूजी का हम समस्त जैन श्रावक-श्राविका मिलकर 151वां जन्मोत्सव मना रहे है यह हम सबका सौभाग्य है। इस अवसर पर कार्यक्रम का प्रारंभ मंदिर अध्यक्ष तेजमल सांखला, सचिव विजय पारख एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा गुरूदेव के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया गया तत्पश्चात समाज अध्यक्ष तेजमल सांखला, विजय पारख, धर्मेन्द्र गुगलिया, विनीता पारख, संदीप पारख आदि सहित समाजजनों ने पूज्य गुरूदेव के गुणों पर अपनी-अपनी बात रखी। कार्यक्रम में 45लकी ड्रॉ भी रखे गए जिसे तेजमल सांखला परिवार के द्वारा प्रदाय किए गए। इसके साथ ही 45आगम की किताब प्रत्येक घर में भेजने का लाभ लाभार्थी धर्मेन्द्र गुगलिया परिवार द्वारा लिया गया। आगम यात्रा का लाभ सौभाग्यमल, विजय पारख परिवार ने लिया। कार्यक्रम में सुंदर भजन की प्रस्तुति इंदौर से आए भजन कलाकरों के द्वारा दी गई। सभा का संचालन विजय पारख के द्वारा किया गया। इस दौरान महिलाओं के द्वारा लाए गए आगम को सुंदर सजाकर थाली सजाई गई जो सभी के आकर्षण का केन्द्र रही। समापन के अवसर पर 151 रूपये की संघ पूजा गुप्त लाभार्थी परिवार द्वारा लिया गया।

निषादराज प्रतिभा सम्मान समारोह 27 जुलाई को

निज संवाददाता

जिले के मैट्रिक और इंटरमीडिएट /खेलकूद के छात्र किए जाएंगे सम्मानित

शिवपुरी-मांझी समाज शिवपुरी द्वारा 27 जुलाई को परिणय वाटिका में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित होगा, जिसमें जिले के मैट्रिक व इंटर के मेधावी छात्रों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्यातिथि पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजू बाथम शामिल होंगे। युवा समाजसेवी पवन बाथम और हनी बाथम द्वारा बताया गया आगामी 27 जुलाई दिन रविवार को निषादराज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कर जिले के मैट्रिक और इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं और राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तर पर शामिल खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह का आयोजन स्थानीय परिणय वाटिका में 11 बजे पूर्वाह्न से किया जाएगा। इसके लिए समाज के सभी छात्र /छात्राओं और खिलाड़ियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

समाज के छात्र/छात्राओं मे उत्साह

कार्यक्रम को लेकर समाज के छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों और अभिभावकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। मांझी समाज के द्वारा निषादराज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाता है, इससे एक तरफ जहां बच्चे सम्मान पाकर गौरवान्वित महसूस करते हैं, वहीं दूसरी तरफ भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं, उनमें एक नई ऊर्जा का संचार होता है।

राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन का स्थापना दिवस मनाया गया, वक्ताओं ने सशक्त संगठन पर दिया जोर

संगठन के राष्ट्रीय मंत्री लालजी शिवहरे ने अगले वर्ष शिवपुरी में स्थापना दिवस आयोजन की घोषणा की

निज संवाददाता

शिवपुरी-राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन अध्यक्ष रमेश चंद्र द्विवेदी राजू भैया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बाल गोविन्द शिवहरे एवं राष्ट्रीय मंत्री लालजी शिवहरे दादा की गरिमामयी उपस्थित में जगत जननी मां पीतांबरा की नगरी दतिया में बड़े ही हर्षोल्लास से स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर सभी राष्ट्रीय प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्यों के संगठन विस्तार को लेकर विचार विमर्श हुए सभी ने संगठन के लिए अपनी-अपनी बातें

रखीं।संगठन के जिला प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी विपिन शिवहरे ने बताया कि राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन के स्थापना दिवस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बालगोविंद शिवहरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब सन् 62 के चीन से युद्ध में जब भारतीय सेना कमजोर पड़ रही थी, तब इसी दतिया की पावन धरा से युद्ध में विजय के लिए दतिया पीताम्बरा पीठ के स्वामी जी महाराज ने मां पीतांबरा देवी से विजय के लिए प्रार्थना की और मां के विकराल स्वरूप मां धूमावती मांई के आशीर्वाद से हम भारतीय लगभग हारते हुए युद्ध में भी अचानक जीत हासिल कर लिये, मां के आशीर्वाद से अचानक ही चीनी सैनिक वापस दुम दबाकर भागते हुए नजर आए। उन्होंने उक्त उदाहरण देकर समझाया कि जब हम इस मां की नगरी से जो संकल्प लेकर निकले हैं तो हम अपने लक्ष्य को जरूर ही हासिल कर लेंगे क्योंकि मां का आशीर्वाद हमारे साथ है। इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय मंत्री लालजी शिवहरे दादा ने कार्यक्रम के संबोधन में राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति को लेकर अपना वक्तव्य दिया और वर्ष 2026 का अगला स्थापना दिवस भगवान शिव व उनकी नगरी शिवपुरी में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा, यह घोषणा मंच से की। जिस पर तालियों की गडग़ड़ाहट के साथ राष्ट्रीय मंत्री लालजी शिवहरे की इस घोषणा को लेकर उनका अभिवादन किया गया। कार्यक्रम समापन पर आभार राष्ट्रीय महामंत्री नवीन चन्द्र शुक्ला ने व्यक्त किया।

भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस, वरिष्ठ नागरिक संघ के निर्वाचन भी संपन्न हुए

वरिष्ठ नागरिक परिसंघ की नई में महेंद्र रावत अध्यक्ष एवं विनोद गोस्वामी सचिव तथा राजेश मिश्रा कोषाध्यक्ष बने

निज संवाददाता

शिवपुरी- गत दिवस स्थानीय मातोश्री होटल में भारतीय मजदूर संघ शिवपुरी का 70 वां स्थापना दिवस समारोह कोलारस विधायक महेंद्र सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य एवं जिलाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह तोमर की अध्यक्षता में उत्साह पूर्वक भव्यता के साथ संपन्न हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजू बाथम, अजमेर सिंह यादव, सुनीत कुमार चौहान, जितेंद्र श्रीवास्तव तथा मुख्य वक्ता के रूप

में प्रांतीय सहकुटुंब प्रबोधन प्रमुख राजेश भार्गव मंचासीन रहे।सभी वक्ताओं ने संस्था के 70 में स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में संघ की सेवाओं की सराहना की मुख्य वक्ता राजेश भार्गव ने वर्तमान समय में कुटुंब प्रबोधन पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय एकता समाजिक चेतना आदि विषयों पर प्रकाश डाला। इसी अवसर पर संस्था के संस्था समरसता प्रमुख अजमेर सिंह यादव ने वरिष्ठ नागरिक परिसंघ की नई कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें महेंद्र रावत अध्यक्ष घोषित किए गए एवं विनोद गोस्वामी को सचिव तथा राजेश मिश्रा को कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। समारोह में सरस काव्य पाठ के माध्यम से रामहेत शर्मा द्वारा संस्था के कार्यों एवं उद्देश्यों का वर्णन किया गया। संचालन का दायित्व कुशल मंच संचालक महावीर मुदगल द्वारा किया गया। अंत में जितेंद्र श्रीवास्तव जिला महामंत्री के आभार प्रदर्शन तथा सभी के स्नेह भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के पूर्व विभाग प्रमुख रमेश शिवहरे के साथ बीएमसी से जुड़ी हुई यूनियनों के प्रांतीय पदाधिकारी व बीएमसी की यूनियनों के सभी जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।

थाना करैरा पुलिस द्वारा एक बुलेरो गाड़ी एवं 35 पेटी 315 लीटर शराब सहित दो 02 शराब तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी करैरा निरीक्षक विनोद सिहं छावई एवं उनकी टीम के द्वारा लगातार मुखबिर मामूर कर दविश देकर कार्यवाही की जा रही है। अभियान के क्रम में थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि एक सफेद रंग की बुलेरो वाहन क्र. एमपी 33 सी 5947 अबैध शराब लेकर करैरा की तरफ आ रही है। जिस पर करैरा भितरवार रोड खैराघाट प्रतिक्षालय के पास जाकर वाहन चैकिंग प्रारंभ की चैकिंग के दौरान भितरवार रोड तरफ से एक सफेद रंग की बुलेरो वाहन को रोका और चैक किया तो वाहन की सीट पर कुल 35 गत्ते की पेटी देशी मंदिरा प्लेन की प्रत्येक पेटी में 50-50 क्वार्टर कुल 1750 क्वार्टर एंव कुल मात्रा 315 बल्क लीटर कीमती करीबन 122500/- रूपये रखी मिली जिन्हे खोलकर चैक किया तो उनमें देशी मंदिरा प्लेन शराब भरी हुई थी, इस पर बुलेरो चालक सूर्यप्रताप पुत्र ओमप्रकाश लोधी उम्र 23 साल निवासी विजयपुर चौकी खोड थाना भोती जिला शिवपुरी एवं बॉबी पुत्र भगवानदास लोधी उम्र 19 साल निवासी चतुर्भुज मंदिर के पास मनपुरा थाना भोती जिला शिवपुरी का होना बताया। आरोपीगणो से कुल 35 पेटी बरामद की गई। आरोपीगणो का यह कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का होने से थाना करैरा पर अपराध क्रमांक 554/25 धारा 34(2) म.प्र. आबकरी एक्ट का पंजीबध्द किया गया।

युवा संगम कार्यक्रम का किया गया आयोजन : निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 211 से अधिक युवाओं का किया चयन

युवा संगम में युवाओं को नशामुक्ति कि दिलाई शपथ, स्वास्थ्य व कौशल विकास की दी गई जानकारी

निज संवाददाता

शिवपुरी- मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग एवं विकास एवं रोजगार विभाग व ग्रामीण विकास विभाग द्वारा युवा संगम के तहत एक ही छत के नीचे युवाओ को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उदेश्य से हर माह निर्धारित दिवस को जिला स्तरीय रोजगार/स्वरोजगार के लिए युवा संगम कार्यक्रम आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर रविन्द्र सिंह चौधरी के निर्देशन में जिले में प्रत्येक चौथे शुक्रवार को युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिला चिकित्सालय से टीम द्वारा युवाओं और हितग्राहियो का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया कार्यक्रम के दौरान सफल उधमी ने अपने अनुभव शेयर करते हुए इस दौरान जिला व्यापार

उद्योग केंद्र के सहा प्रबंधक विवेक कौशल, आईटीआई प्राचार्य आलोक श्रीवास्तव, जीएटीएम अकादमी से बी. एम. यादव सहित अन्य आधिकारी /कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी गुना बीएस मीना द्वारा किया गया। निजी क्षेत्र की 16 कंपनियों ने लिया भाग, आईएमसी चेयरमैन भूपेन्द्र रावत ने बांटे ऑफर लेटरप्रभारी जिला रोजगार अधिकारी बी. एस. मीना ने बताया कि आज के कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की 16 कम्पनियों द्वारा भाग लिया गया, इस दौरान कुल 518 युवाओं द्वारा पंजीयन किया गया एवं 244 आकांक्षी युवाओं का प्रारंभिक चयन उपरांत 211ऑफर लेटर प्रदान किये गये। आज के कार्यक्रम में आई एम सी चैयरमेन भूपेंद्र सिंह रावत विशेष रूप से उपस्थित रहे, उपस्थित युवाओं को ऑफर लेटर वितरित किये गये।नशा मुक्ति की दिलाई गई शपथ, स्वास्थ्य की दी जानकारीइस अवसर पर आईएमसी चेयरमैन भूपेन्द्र रावत ने कहा कि युवा संगम की लोकप्रियता बढ़ती जा रही हैं शासन आदेशानुसार अब युवा संगम में युवक युवतियों को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी, नशामुक्ति की जानकारी देने की व्यवस्था की जा रही हैं साथ कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जानकारी भी युवाओं को उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति अभियान के दौरान सामाजिक न्याय विभाग ने नशा से मुक्ति कैसे पाए, इस सम्बन्ध मे जानकारी दीं और उपस्थित युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।युवा संगम में प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियाँइस दौरान युवा संग में प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जिसमें चेकमेट सिक्योरीटी, टीम प्लस एचआर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, एनसी सप्लाई प्राइवेट लिमिटेड, अरविंद प्राइवेट लिमिटेड, रक्षा सिक्योरिटी सर्विस लिमिटेड, शिव शक्ति आर्गेनिक लिमिटेड, गोल्डन फारमर सागर, स्किल विजन पीथमपुर, वाय एस एच आर सलूशन उदयपुर, ईगल सिक्योरिटी सर्विस, इसर अकादमी, ज्वाइन फीडम एम्प्लोयीविलिटी, एस आई एस सिक्योरिटी नीमच, आई एफ एफ डी मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन कंपनी शिवपुरी, नविताशिस इंडिया प्रा लि, सहित अन्य कंपनिया शामिल हुई जिनके द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया गया।

आईटीआई विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला आयोजित उद्योगपतियों को किया सम्मानित

निज संवाददाता

शिवपुरी- शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) शिवपुरी के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित व्यावहारिक ज्ञान से जोडऩे के उद्देश्य से होटल टूरिस्ट विलेज शिवपुरी में इग्नाइट संस्था द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में आईएमसी के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह रावत, आईटीआई शिवपुरी के प्राचार्य आलोक श्रीवास्तव तथा इग्नाइट दिल्ली से पधारे अधिकारी एवं वरुण शुक्ला शामिल रहे। इग्नाइट संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य शासकीय आईटीआई के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर इंडस्ट्री के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगात्मक अनुभव भी प्राप्त हो और उनकी कौशल दक्षता में निखार आए। इस अवसर पर शिवपुरी के प्रतिष्ठित उद्योगपति भी उपस्थित रहे, जो समय-समय पर इन विद्यार्थियों को अपनी इकाइयों में प्रशिक्षण का अवसर देकर सहयोग करते हैं। कार्यशाला में इन उद्योगपतियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कही आचरण ये उजाले, सद संत वे शिवाले, चार्य से जिनकी शोभा, निर्ग्रंथ भोले : अविराम

मध्य प्रदेश लेखक संघ शिवपुरी की श्रवण माह काव्य गोष्ठी सम्पन्न

निज संवाददाता

शिवपुरी-मध्यप्रदेश लेखक संघ शिवपुरी की मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन दुर्गा मठ पुरानी शिवपुरी में गीतकार डॉ एचपी जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गोष्ठी के मुख्य अतिथि बुजुर्ग शायर भगवान यादव भगवान जबकि विशिष्ट उपस्थित शेयर याकूब साबिर की रही। नवगीतकार डॉक्टर मुकेश अनुरागी के सुमधुर संचालन में प्रबुद्ध रचनाकारों ने अपनी-अपनी काव्य प्रस्तुतियां दी,सर्वप्रथम मां शारदा की वंदना अजय जैन अभिराम ने की।अपने रचना पाठ में अजय अभिराम ने दिगंबर संतो के आचरण से सीख लेने की बात कही आचरण ये उजाले, सद संत वे शिवाले, चार्य से जिनकी शोभा, निर्ग्रंथ भोले-भाले। हास्य रस के रचनाकार राजकुमार चौहान ने अपने दोहों में कहा सूरज ने चिट्ठी लिखी शिशु दीपक के नाम करो तिमिर का सामना लडऩा अपना काम। गजल कार राधे श्याम सोनी ने प्रेम का संदेश देते हुए कहा बताऊं किस तरह है जी रहा हूं मैं ?मे हिज्र में अश्क पी रहा हूं मैं । बसंत श्रीवास्तव ने कहा

आप हंसकर के गम को भुला दीजिए बस अभी जिंदगी खुशनुमा कीजिए वर्षा में घर की स्थिति को अभिव्यक्त करते हुए संचालन कर रहे मुकेश अनुरागी जी ने कुछ यूं कहा बैठे बैठे हैं दरवाजे फूल रहे कप्पा से गाल पर रहा है तनमां कहां पर रहा है तन मन सर तेज हवा से बिखरे बाल। वही विनय प्रकाश जैन नीरव ने अपने नवगीत में कहा चुप्पियां चिपकी हुई है होंठ पर गए बगाहे दस्तकों के प्यास के टुकड़े । शिवकुमार राय ने अपनी बात रखते हुए कहा अंतर मन की तृष्णा हूं मैं महाभारत की कृष्णा हूं मैं। वरिष्ठ साहित्यकार गोविन्द अनुज जी ने अपनी बात रखते हुए सुनाया मुझे छोड़कर बेटा मेरा ,लंदन चला गया। जो वृद्धा अवस्था की विरह वेदना पर सटीक अभिव्यक्ति थी।,अध्यक्षता कर रहे सुमधुर गीतकार डॉ हरि प्रकाश जैन हरि ने वर्षा गीत में मौसम का चित्रण करते हुए कहा सावन में सुहाना मौसम हुआ तपमन भी देखो मद्धम हुआ । गोष्ठी में राकेश मिश्रा रंजन,याकूब साबिर, इशरत ग्वालियर डॉ महेंद्र अग्रवाल श्रीमती कल्पनासिनोरिया, श्याम बिहारी सरल ,डॉ योगेंद्र शुक्ला, पत्रकार प्रमोद भार्गव भी उपस्थित रहे,सभी रचनाकारों ने उम्दा रचना पाठ कर वातावरण को आनंद में बना दिया अंत में गोष्ठी का समापन राजकुमार चौहान ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त कर किया।

मध्यदेशीय अग्रवाल समाज महिला समिति ने धूमधाम से मनाया हरियाली तीज उत्सव

निज संवाददाता

शिवपुरी-मध्यदेशीय अग्रवाल समाज महिला समिति ने हर्षोल्लास के साथ हरियाली तीज का उत्सव मनाया। यह कार्यक्रम अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया, जिसमें समिति की सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।उत्सव में मनोरंजन के लिए कई रोचक खेलों का आयोजन किया गया। इनमें पंचयुल्टी गेम, चेयर रेस और माला गेम शामिल थे, जिसने सभी को खूब हंसाया और उत्साह बढ़ाया। इन खेलों की आठ विजेता प्रतिभागियों को उपहार देकर

सम्मानित किया गया। विजेताओं में प्रीति जैन, सरोज जैन, माधवी अग्रवाल, ऋतु जैन, रेखा अग्रवाल, निधि गुप्ता, निर्मला अग्रवाल और रूपम अग्रवाल शामिल रहीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हरियाली थीम पर आधारित नृत्य प्रदर्शन था। सभी महिलाओं ने रंग-बिरंगी छतरियां और चश्मे पहनकर हरियाली से जुड़े गीतों पर जमकर डांस किया, जिससे पूरा माहौल जीवंत हो उठा। उत्सव में खाने-पीने का भी उत्तम प्रबंध किया गया था, जिसका सभी उपस्थित लोगों ने आनंद लिया। इस अवसर पर मध्यदेशीय अग्रवाल समाज अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निशा गुप्ता, उपाध्यक्ष अंजु गोयल, महामंत्री दीपा बंसल, सहमंत्री रीना जैन, प्रचार मंत्री अनुराधा बंसल और अन्य कई सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही, अग्रसेन जयंती की संयोजक श्रीमती रेणु अग्रवाल की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी ने एक साथ मिलकर हरियाली तीज के इस उत्सव का भरपूर आनंद लिया और इसे यादगार बनाया।

जौरा में चोर गैंग के हौसले बुलंद एक दुकान से चोरी तो दूसरी में किया प्रयास

निज संवाददाता

मुरैना। जिले के जौरा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोर गैंग का आतंक बढ़ता जा रहा है, जिससे आम जनमानस भयभीत है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बावजूद पुलिस द्वारा कोई भी चोरी ट्रेस नहीं की जा रही और ना ही चोरों का कोई सुराग लग पा रहा है। चोर गैंग के आतंक से आम जनता में पुलिस के प्रति आक्रोश पनपता जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम को जौरा में नीरज कुशवाह अपनी दुकान बंद कर घर चला गया। सुबह जब आया तो उसकी दुकान की शटर एक तरफ से उठी हुई थी। दुकान में घुसकर देखा तो चोरों ने पूरे सामान को अस्त व्यस्त कर दिया था। चोर दुकान में से तीन से 4000 कीमत का एक तार का बंडल चुराकर ले गए। दूसरी चोरी का प्रयास अज्ञात चोरों ने नगर के हृदय स्थल तहसील चैराहे के पास अंतू स्वामी पान वाले की दुकान में किया। यहां पर भी चोरों ने एक तरफ से दुकान को उठा लिया था, किसी राहगीर के आने से चोर

चोरी करने में असफल रहे। दोनों दुकानदारों ने थाने में जाकर घटना की जानकारी दी। मौके पर नगर निरीक्षक उदयभान सिंह यादव पहुंचे। नगर के नागरिकों के जेहन में बार-बार यही सवाल उठ रहे हैं कि आखिरकार लगातार हो रही चोरियों को पुलिस रोक नहीं पा रही है और ना ही ट्रेस कर पा रही है। रात में पुलिस की गस्त की गाड़ियां भी घूमती है, फिर भी चोर चोरी कर ले जाते हैं। सीसीटीवी कैमरे में आने के बाद भी चोरों की पहचान नहीं हो पा रही है। वहीं 22 दिन पहले अलापुर पंचायत में सरपंच मंजू राजकुमार यादव के यहां हुई डेढ़ करोड़ की चोरी का भी खुलासा पुलिस नहीं कर पा रही है, वैसे तो जिले भर में कई चोरियां हुई है, लेकिन अलापुर में हुई डकैती लूट जिले की सबसे बड़ी घटना थी। मौके पर आईजी, डीआईजी, एसपी भी आए, लेकिन परिणाम अभी तक जीरो ही रहा है। हालांकि पुलिस ने डकैती के मामले में लगभग 200 से अधिक लोगों से पूछताछ की। आधार सैकड़ा से अधिक सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए गए। मुरैना, ग्वालियर, धौलपुर सहित कई स्थानों पर संदिग्ध लोगों को पकड़ने के लिए छापामार कार्यवाही भी की, लेकिन लूट का सुराग अभी तक नहीं मिल सका है।

आवासीय विद्यालय में 13 वर्षीय बालक की संदिग्ध करंट लगने से मौत

निज संवाददाता

मुरैना। जिले के जौरा थाना अंतर्गत पगारा रोड पर संचालित अलख ज्योति पब्लिक आवासीय विद्यालय में एक बालक की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पगारा रोड पर अलख ज्योति पब्लिक स्कूल आवासीय रूम में चलाया जा रहा है। इस विद्यालय में सुमित पुत्र देवेंद्र गुर्जर उम्र 13 वर्ष की गुरुवार की सुबह विद्यालय में अचानक उसकी मौत हो गई तो विद्यालय स्टाफ संचालक तत्काल उसे जौरा अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। आवासीय विद्यालय में अचानक बच्चों की मृत्यु के बाद बालक के परिजन भी अस्पताल आ गए परिजनों का कहना था कि सुमित अच्छा खासा स्वस्थ था फिर अचानक उसकी मृत्यु कैसे हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों की टीम से बालक का पोस्टमार्टम करने की मांग की। देर शम को थाना प्रभारी उदयभान सिंह ने बताया कि सुमित की मौत करंट लगने से हुई है।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

- पुलिस एवं परिवहन विभाग डम्फरों पर चालानी कार्रवाही करें

निज संवाददाता

मुरैना। बरसात को ध्यान में रखते हुए शहर में सभी सड़के मोटरेवल रहें, इसके लिए नगर निगम भ्रमण कर सड़को में पेचवर्क करायें। अल्लावेली और टोलप्लाजा पर जाम की स्थिति पैदा करने वाले डम्फरों पर पुलिस व परिवहन विभाग चालानी कार्रवाही करें। ये निर्देश कलेक्टर अंकित अस्थाना ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में दिये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह डाबर सहित एसडीएम मुरैना, नगर निगम कमिश्नर, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, ट्राफिक पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, पीडब्ल्यूडी, एनएचआई के अलावा सड़क सुरक्षा समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अस्थाना ने कहा कि नगर निगम यह सुनिश्चित करें कि नवीन जिला पंचायत कार्यालय के अलावा बीच सड़कों पर अनावश्यक रूप से खड़े हुए विद्युत पोलो को 07 दिवस के अंदर हटवायें। उन्होंने कहा कि बरसात को ध्यान में रखते हुए शहर की सभी सड़के मोटरेवल रहे, इसलिए सड़को में पेचवर्क भी शीघ्र कराए जाए। कलेक्टर ने कहा कि रोडवेज बस स्टेण्ड के सामने फ्लाईओवर के नीचे

पानी भर जाता है, उस पानी की निकासी व सड़क का कार्य पुल के दोनो तरफ़ एनएचआई 07 दिवस में दुरूस्त करवाना सुनिश्चित करें। बस स्टेण्ड के अंदर जल निकासी नगर निगम शीघ्र करायें, ताकि यात्रियों को असुविधा न हो। कलेक्टर ने टोल प्लाजा संचालको को निर्देशित किया कि टोल पर कार लेन वाली ''रो'' खाली रहे, उस लाइन में बड़े वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहें, इसके लिए दोंनो तरफ अतिरिक्त स्टाफ तैनात करें। कलेक्टर ने कहा कि फ्लाईओवर से आगरा की ओर जाते समय रेत ट्रेक्टर अनावश्यक भीड़ लगाकर खड़े रहते है, इसलिए जाम की स्थिति बनी रहती है। ट्रैफिक पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी समय-समय पर भ्रमण कर कार्रवाही करें। कलेक्टर ने कहा कि सुबह से शाम तक शहर में ट्रेक्टर पूर्णतः प्रतिबंधित रहें, एमएस रोड़, व्हीआईपी रोड़ और पुलिस तिराहे के रास्ते शहर में ट्रेक्टर प्रवेश न करें। इस लिए ट्रैफिक पुलिस व आरटीओ सख्ती से कार्रवाही करें। कलेक्टर ने कहा कि एनएचआई यह सुनिश्चित करें कि टोल प्लाजा से लेकर सेलटेक्स बेरियर तक रात्रि के समय स्ट्रीट लाइट जलती रहें, जिसका वीडियो बनाकर 03 दिवस के अंदर उपलब्ध करायें। कलेक्टर ने कहा कि बस ऑपरेटरो की शिकायत पर आरटीओ व ट्रैफिक पुलिस सीएनजी से चलने वाले वाहन जैसे ईको आदि वाहनों पर कार्रवाही करें, बिना परमिट के ये अम्बाह-पोरसा की ओर न जाए। बैठक में सड़क सुरक्षा समिति के 20 बिन्दुओ पर विस्तार से समीक्षा हुई, जिसके सभी बिन्दुओं पर कलेक्टर ने विस्तार से पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। बैठक के दौरान ''राहवीर योजना'' के संबंध में लघु फिल्म भी दिखाई गई।

वनरक्षक से जप्त ट्रैक्टर ट्राली लूटकर ले जाने वाले दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

निज संवाददाता

मुरैना। जिले की अंबाह थाना पुलिस ने वनरक्षक से जप्त ट्रैक्टर ट्रॉली लूट कर ले जाने वाले 5.5 हजार के दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार अंबाह थाना पुलिस ने बुधवार की शाम जप्त ट्रैक्टर को लूट कर ले जाने वाले 5-5 हजार के दो इनामी बदमाश प्रमोद तोमर एवं अमन तोमर को कस्बे से गिरफ्तार कर न्यायालय एमपीएस करते हुए जेल भेज दिया। इस मामले में मुख्य आरोपी सुमित उर्फ भीमा चैहान को घटना के अगले दिन ही पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया था। उल्लेखनीय है कि 21 मार्च 2025 को उक्त

आरोपीगण वन विभाग के फरियादी (वनरक्षक) संदीप गुर्जर पुत्र लाखन सिंह गुर्जर ने चम्बल नदी के रेत से भरे जप्तशुदा ट्रैक्टर को बलपूर्वक छुड़ाकर ले गए। जिस पर से पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा 132, 352, 351(2), 190,191 (2), 191 (3) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया एवं प्रकरण में धारा 309 (4) बीएनएस, 11, 13 एम.पी.डी.पी.के. एक्ट का इजाफा किया गया।

थाना प्रभारी ने दिलाई आम नागरिक, पुलिस व पत्रकारों को नशा मुक्ति की शपथ

निज संवाददाता

सबलगढ़। पुलिस थाना सबलगढ़ थाना प्रभारी राजकुमारी परमार द्वारा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई, जिसमें पुलिस के जवान, आम नागरिक व पत्रकार शामिल रहे। इस दौरान सभी को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया और नशा छोड़ने के लिए शपथ दिलाकर नशे से दूर रहने का भी संकल्प दिलाया गया। साथ में यह भी बताया गया कि आप अपने साथ अपने मित्रों, परिचितों और आम नागरिकों से नशा मुक्ति के प्रयास करें। थाना प्रभारी ने बताया कि नशे से आर्थिक हानि के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक हानि भी होती है। इसके अलावा परिवार पर इसका विपरीत असर पड़ता है। नशे से मनुष्य का स्वयं का स्वास्थ्य खराब तो रहता ही है उनके बाल बच्चों पर भी इसका विपरीत प्रभाव पढ़ने से बच्चे भी नशे की गिरफ्त में चले जाते हैं। यह एक सामाजिक बुराई है जिससे मुक्ति आवश्यक है।

सी.एम.एच.ओ. ने डेंगू निरोधक जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

निज संवाददाता

मुरैना। राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय ने डेंगू निरोधक माह जुलाई जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल, डीएचओ डॉ. सुशील कारखुर, सहायक मलेरिया अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती बसंती बाजौरिया, श्रीमती शिवकुमार निम बीई, जेएमआई देवव्रत उपाध्याय, एमपीडब्ल्यू हरेन्द्र तोमर, वीरेन्द्र सिंह गुर्जर, दिनेश शर्मा, रवि सिकरवार सहित मलेरिया स्टाफ उपस्थित थे। डेंगू निरोधक माह जुलाई रथ मुरैना सम्पूर्ण शहरी क्षेत्रों में डेंगू, चिकुनगुनिया से बचाव के लिए जन समुदाय को जागरूकता, समझाईश, प्रचार-प्रसार का कार्य करेगा। सीएमएचओ डॉ. पद्मेश उपाध्याय ने बताया कि डेंगू के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल जुलाई में डेंगू का प्रचार-प्रसार कराया जाता है। घर में उपयोग किये जा रहे पानी के बर्तनों को सप्ताह में एक बार खाली करें, सुखाकर फिर पानी भरे एवं घर में उपयोग किये जा रहे कूलर, फ्रीज, छत पर रखे टूटे-फूटे बर्तनों को खाली करें।

बिजली के बिल नहीं भरे तो काटे 28 बकायादारो के कनेक्शन, 3 लाख से अधिक वसूले

निज संवाददाता

मुरैना। जिले के जौरा नगर में कई माह से बिजली का उपयोग करने के बाद बिलों की राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत विभाग की कार्यवाही लगातार जारी है। गुरुवार को विद्युत विभाग ने 28 बकायादारो के कनेक्शन काटते हुए 3 लाख से अधिक की वसूली की है। गुरुवार को सहायक यंत्री पीएस यादव, कनिष्क यंत्री मुकेश कुमार मिश्रा की देखरेख में वसूली टीम द्वारा ऑफीसर कॉलोनी, चंद्रशेखर आजाद रोड, बनिया पाड़ा, श्रीकृष्ण मंदिर रोड, एमएस रोड, तहसील चैराहा सहित अन्य गली मोहल्ले में पहले तो ऐसे 28 विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए, जिन्होंने कई माह से बिजली का उपयोग करने के बावजूद बिल की राशि नहीं भरी। विभिन्न गली मोहल्ले में कनेक्शन काटने से घबराकर परेशान बकायादार उपभोक्ताओं ने वसूली टीम को शाम तक बिलों की राशि जमा कराई। कनिष्क यंत्री मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि वसूली टीम को शाम तक 3 लाख 11 हजार रुपए की वसूली प्राप्त हुई है।

एक्सप्रेस हाईवे मुआवजा और किसानों की समस्याओं को लेकर सत्याग्रह कर दिया ज्ञापन

निज संवाददाता

मुरैना। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे में जिन किसानों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है। उन्हें भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के मुताबिक उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बराबर चार गुना मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर सैकड़ो की संख्या में किसान चंबल कॉलोनी पार्क में इकट्ठे हुए। रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पर पहुंचकर किसानों ने सत्याग्रह किया और एक बार फिर मुख्यमंत्री के नाम से और कलेक्टर के नाम से किसानों ने ज्ञापन दिया है। किसानों का यह कहना है कि आज हम अपनी मांगों के लिए जो सही है, सत्य है, विधिसम्मत है, सत्याग्रह करके ज्ञापन दे रहे हैं। आगामी दिनों में 20 अगस्त को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और भोपाल से किसान नेताओं को आमंत्रित कर

बड़ी संख्या में किसान सम्मेलन कर जुझारू आंदोलन करने की तैयारी करेंगे। इस दौरान किसानों के मध्य बोलते हुए मध्य प्रदेश किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिवारी ने कहा कि किसानों की मांग विधिसम्वत और जायज है। लेकिन सरकार की हठधर्मिता के चलते किसानों को चार गुना मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। सरकार को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए और प्रशासन के रवैया को बदलने की भी किसान नेताओं ने मांग की। किसानों के बीच में मध्य प्रदेश किसान सभा के जिला कार्यवाहक महासचिव ओम प्रकाश श्रीवास, श्रीकृष्ण यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने किसानों से आगामी दिनों में संघर्ष तेज करने का आग्रह किया। सभा, प्रदर्शन और सत्याग्रह और ज्ञापन की कार्रवाई का नेतृत्व रामप्रकाश सिंह गुर्जर, उदयवीर सिंह यादव, अशोक कुमार, राजेंद्र सिंह माहौर, रामकिशोर शुक्ला, जन्डैल सिंह गुर्जर, बीके शर्मा आदि किसान नेताओं ने किया। किसान नेताओं ने आगामी दिनों में आंदोलन और अभियान को तेज करने के लिए 15 अगस्त को झंडा फहराने के बाद 19 अगस्त तक पदयात्रा और वाहन जत्थे निकाल कर पूरे क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाने और किसानो की लामबंदी करने का भी कार्यक्रम बनाया है। इस दौरान टोंगा तालाब टूटने से फसल की बर्बादी के लिए किसानों को मुआवजा देने जल निकासी की व्यवस्था करने तालाब का निर्माण कराने संबंधी मांगों को लेकर सबलगढ़ के किसान नेता नरेश गोस्वामी, दीनदयाल त्यागी आदि के नेतृत्व में किसानों ने ज्ञापन दिया। स्थानीय समस्याओं के बारे में भी प्रशासन को अवगत कराया। ज्ञापन एडीएम के द्वारा लिया गया और उन्होंने कार्यवाही का आश्वासन भी दिया है। ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी की गाड़ी भी किसानों के बीच फंस गई और उन्हें ज्ञापन की कार्यवाही तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, किसानों ने उनसे भी किसानों का सहयोग करने का आग्रह किया है।

मास्टर को सनरूफ के बाहर निकलकर दौड़ लगवाना पड़ा महंगा, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने की कार्यवाही

निज संवाददाता

मुरैना। गुरुवार की सुबह सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक शिक्षक ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी के सनरूफ से बाहर निकलकर दौड़ लगा रहे बालकों का वीडियो बनाते हुए यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहा था। यातायात पुलिस ने इसका संज्ञान लेते हुए आरोपी शिक्षक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत न्यायालय में चालान पेश किया है, तो वहीं 6 हजार रुपए का अर्थदड भी लगाया है।पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि पर नियमों कानूनों का उल्लघंन कर फोटो वीडियो आदि पोस्ट करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किए जाने संबंधी निर्देश जिले के समस्त थाना प्रभारियों, राजपत्रित अधिकारियों को दिए गए हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर इस प्रकार के वीडियो फोटो आदि अपलोड किए जाने वालों पर सतत नजर रखे जाने हेतु जिलास्तरीय सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल का गठन किया गया है। निगरानी के दौरान यातायात निरीक्षक संतोष भदौरिया द्वारा गुरुवार को मुरैना पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को एक वीडियो प्राप्त हुआ, जिसमें एक व्यक्ति एम.एस. रोड़ पर चलते हुए चार पहिया वाहन की छत पर बैठकर वीडियो बनाता हुआ नजर आया, जिससे यह स्पष्टतः परिलक्षित हो रहा था कि उसके द्वारा जानबूझकर यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। थाना यातायात पुलिस मुरैना द्वारा उक्त वीडियो के आधार पर उक्त व्यक्ति (वाहन स्वामी) की पहचान कर अजय शर्मा पुत्र रामवीर शर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी हडवासी को मय घटना में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियो एमपी 07 जेडएक्स 4688 के तलब कर अभिरक्षा में लेकर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 52/192, 184 के तहत पंचनामा तैयार कर वाहन को थाना यातायात परिसर मुरैना में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया एवं प्रकरण में चालानी कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन माननीय न्यायालय की ओर प्रेषित किया जावेगा। मोटर व्हीकल एक्ट की उक्त धाराओं का उल्लंघन करने पर 6,000 रूपए तक जुर्माना किए जाने का प्रावधान है।

कविता

ख़ामोशी

कभी कभी ख़ामोशी है न, सब कह जाती है

किसी से कुछ न भी कहो न, ये सब बता जाती है

धीरे से मेरे पास आकर खामोश हो जाती है
फिर अनेक उत्तर स्वयं से ख़ामोशी से समझा जाती है

उसको क्या पता? ख़ामोशी ही तो है जो अपनापन जताती है

उसके बोलने से अधिक, ख़ामोशी अधिक कहीं बोल जाती है

इक ख़ामोशी ही तो है जो बहुत सताती है
पर सारे भेद तेरे खामोश ऱह कर कह जाती है

ख़ामोशी की ख़ामोशी अच्छी नहीं , जो ज्यादा तड़पाती है
खामोश इतना क्यों आदमी को बनाती है
चलो अब ख़ामोशी को ख़ामोशी से विदा करते हैं

बहुत हुआ!! अब तुम से कुट्टी करते हैं
चलो तुम्हें विदा करते हैं.

वंदना घनश्याला की कलम से

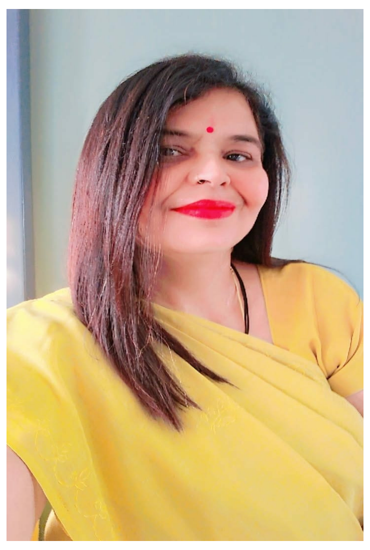

(जब शिक्षा डर बन जाए) डिग्रियों की दौड़ में दम तोड़ते सपने

संभावनाओं की कब्रगाह बनते संस्थान

संस्थाएं डिग्रियां नहीं, ज़िंदगियां दें – तभी शिक्षा का अर्थ है

भारत में शिक्षा संस्थान अब केवल डिग्रियों की फैक्ट्री बनते जा रहे हैं, जहां बच्चों की संभावनाएं और संवेदनाएं दोनों दम तोड़ रही हैं। कोटा, हैदराबाद, दिल्ली जैसे शहर आत्महत्या के आंकड़ों से दहल रहे हैं। यह संकट केवल परीक्षा का नहीं, हमारी सोच और व्यवस्था का है – जो रैंक को जीवन से ऊपर रखती है। शिक्षा में संवाद, मानसिक परामर्श और मानवीयता की जगह खाली है। जब तक हम शिक्षा को जीवन से नहीं जोड़ेंगे, तब तक यह व्यवस्था सफल नहीं, घातक सिद्ध होती रहेगी।- प्रियंका सौरभ

कभी जिन विद्यालयों और महाविद्यालयों को ज्ञान के मंदिर कहा जाता था, आज वही स्थान धीरे-धीरे उस पीड़ा के पर्याय बनते जा रहे हैं, जहां बच्चों की हँसी नहीं, तनाव भरी चुप्पी गूंजती है। एक दौर था जब शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सुंदर बनाना था, आज शिक्षा जीवन का भार बन गई है। हम एक ऐसे दौर में पहुंच चुके हैं जहां विद्यार्थी शिक्षा से नहीं, शिक्षा के ढांचे से डरने लगे हैं। कोटा, हैदराबाद, दिल्ली, चेन्नई, पुणे – न जाने कितने शहरों में हर साल सैकड़ों छात्र आत्महत्या कर लेते हैं। ये केवल घटनाएं नहीं हैं, ये हमारे तंत्र की हार की घोषणा हैं।राजस्थान का कोटा शहर, जिसे आज प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का केंद्र माना जाता है, वह इस समय देश का सबसे बड़ा मानसिक तनाव केंद्र भी बनता जा रहा है। हर साल लाखों विद्यार्थी डॉक्टर, अभियंता, प्रशासनिक अधिकारी या वैज्ञानिक बनने के सपने लेकर यहां आते हैं। लेकिन इन सपनों की कीमत इतनी भारी होती है कि सैकड़ों बच्चे उस बोझ को सह नहीं पाते और जीवन समाप्त कर बैठते हैं।कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई अब एक मानसिक परीक्षा बन चुकी है। सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक कक्षाएं, गृहकार्य, परीक्षा, फिर परिणाम – इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने का कोई द्वार नहीं होता। विद्यार्थियों के लिए न तो खेल-कूद का समय होता है, न साहित्य, संगीत या संवाद का। न दोस्तों के लिए समय होता है, न अपने आप से बात करने का। और ऐसे माहौल में जब कोई बच्चा असफल होता है, तो वह स्वयं को जीवन के अयोग्य समझ लेता है। यह मानसिकता इतनी गहरी है कि वह सोच भी नहीं पाता कि जीवन केवल एक परीक्षा से तय नहीं होता।एक छात्र की आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, वह उस शिक्षा व्यवस्था पर कठोर टिप्पणी है जो विद्यार्थियों को नंबर और रैंक के तराजू में तौलती है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार 2021 में 13,000 से अधिक विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। यह संख्या भारत में शिक्षा के नाम पर होने वाली त्रासदी की भयावहता को दर्शाती है। क्या हमने कभी यह सोचने की कोशिश की कि ये बच्चे क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? क्या केवल परीक्षा में असफल हो जाना किसी को जीवन त्यागने के लिए मजबूर कर सकता है?दरअसल, समस्या परीक्षा की नहीं है, समस्या उस सोच की है जिसमें असफलता को कलंक माना जाता है। माता-पिता, समाज, शिक्षक, कोचिंग संस्थान – सब इस मानसिकता को पोषित करते हैं कि जो बच्चा प्रतियोगिता में सफल नहीं हुआ, वह निकम्मा है। परिणामस्वरूप, बच्चा स्वयं को दोषी मानने लगता है और धीरे-धीरे अवसाद की गर्त में चला जाता है। किसी से अपनी बात कहने का साहस भी उसमें नहीं रहता।भारत की शिक्षा प्रणाली में वर्षों से यह कमी रही है कि यहाँ मानसिक स्वास्थ्य को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई। विद्यालयों और महाविद्यालयों में न तो स्थायी मानसिक परामर्शदाता होते हैं, न छात्रों के साथ खुला संवाद। माता-पिता भी अक्सर यह नहीं समझ पाते कि उनका बच्चा क्या महसूस कर रहा है। बच्चों से %कैसे हो% पूछने के बजाय %कितना पढ़ा% पूछा जाता है।शिक्षा व्यवस्था की इस अमानवीयता को और अधिक तीव्र बना दिया है शिक्षा के व्यावसायीकरण ने। आज शिक्षा एक सेवा नहीं, एक उद्योग बन चुकी है। कोचिंग संस्थान करोड़ों का व्यापार करते हैं। उनका उद्देश्य केवल बच्चों को परीक्षा में सफल बनाना है, उन्हें जीवन में सक्षम बनाना नहीं। वे बच्चों को उत्तर याद करवाते हैं, सवाल पूछने की आदत नहीं सिखाते। वे सफलता की मशीनें गढ़ते हैं, इंसान नहीं।बात केवल कोचिंग की नहीं है। देश के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से भी आत्महत्याओं की खबरें आती रही हैं। रोहित वेमुला, एक शोधार्थी, जिसकी आत्महत्या ने पूरे देश को हिला दिया था, वह भी संस्थागत भेदभाव और असंवेदनशीलता का शिकार था। आज भी जातीय, सामाजिक, भाषाई और क्षेत्रीय भेदभाव के अनेक रूप हमारे शैक्षिक संस्थानों में मौजूद हैं। विद्यार्थियों को मानसिक सुरक्षा नहीं मिलती, भावनात्मक सहारा नहीं मिलता, और जब सब रास्ते बंद हो जाते हैं, तो वे जीवन को ही समाप्त करने का निर्णय लेते हैं।समस्या बहुत गहरी है और इसका समाधान केवल ÷शोक प्रकट करने÷ या ÷नियमन बनाने÷ से नहीं होगा। हमें शिक्षा की परिभाषा को फिर से गढ़ना होगा। शिक्षा केवल डिग्री, अंक या नौकरी का माध्यम नहीं हो सकती। शिक्षा का उद्देश्य जीवन को समझना, आत्मविश्वास विकसित करना, और हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखना होना चाहिए।हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक शिक्षा संस्थान में स्थायी मानसिक परामर्शदाता हों। बच्चों के लिए खुला मंच हो जहां वे अपने विचार, भावनाएं और समस्याएं बिना डर के व्यक्त कर सकें। परीक्षा पद्धति ऐसी हो जो केवल रटंत विद्या को न परखे, बल्कि रचनात्मकता, तर्कशक्ति और संवेदना को भी महत्व दे।इसके साथ ही, कोचिंग संस्थानों पर कठोर नियंत्रण की आवश्यकता है। उनकी फीस, समय-सारणी, परीक्षा पद्धति – सब कुछ सरकार द्वारा विनियमित किया जाना चाहिए। उन्हें केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत लाना होगा। सरकार को भी इस विषय पर केवल बयानबाज़ी करने के बजाय ठोस नीति बनानी चाहिए जो आत्महत्याओं की घटनाओं को रोक सके।माता-पिता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। बच्चों से संवाद बढ़ाना होगा, उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि उनकी असफलता कोई अपराध नहीं है। हमें यह समझना होगा कि हर बच्चा अद्वितीय होता है, और हर किसी की सफलता की परिभाषा एक जैसी नहीं हो सकती।यह भी आवश्यक है कि समाज में असफलता को सहजता से स्वीकार करने की संस्कृति विकसित की जाए। हमें यह सिखाना होगा कि परीक्षा में असफल होना जीवन में असफल होना नहीं है। यदि कोई बच्चा एक परीक्षा में नहीं सफल हो पाया, तो उसके लिए और भी रास्ते हैं। यह जीवन केवल रैंक की सूची नहीं है, यह भावनाओं, संवेदनाओं और संभावनाओं की यात्रा है।हमारा देश तभी शिक्षित माना जाएगा जब यहां के शिक्षा संस्थान बच्चों को केवल पाठ्यक्रम नहीं, जीवन जीने की कला सिखाएं। जब विद्यार्थी केवल डिग्रियां नहीं, उद्देश्य लेकर निकलें। जब शिक्षा बच्चों को नंबरों से नहीं, उनकी पहचान से जोड़ें।आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम बच्चों को ÷किताबें रटवाएं÷, बल्कि इस बात की है कि हम उन्हें आत्मविश्वास और आत्मसम्मान देना सीखें। उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि वे जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं। उनकी संभावनाएं अंकतालिकाओं से बड़ी हैं, और उनका जीवन परीक्षा के परिणामों से अधिक मूल्यवान है।अगर हम यह नहीं कर सके, तो हर वर्ष हजारों रोशनी बुझती रहेंगी, और हम केवल मोमबत्तियां जलाकर अफ़सोस करते रहेंगे। शिक्षा को फिर से जीवनमूल्य आधारित बनाना होगा – जहां विद्यार्थी केवल डिग्री नहीं, उद्देश्य पाएं; केवल नौकरी नहीं, पहचान पाएं; और केवल पढ़ाई नहीं, जीने का विश्वास पाएं।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार और कवयित्री हैं)
प्रियंका सौरभ

तकनीक बन रही है जनकल्याण का माध्यम

एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सटीक और सामयिक टिप्पणी की है। दरअसल %%टेक्नोलॉजी का लोकतंत्रीकरण होना चाहिए। हमें जन-केंद्रित एप्लिकेशन बनाने चाहिए। साथ ही हमें साइबर सुरक्षा, दुष्प्रचार और डीपफेक जैसी चुनौतियों का समाधान भी करना होगा। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि तकनीक मात्र उपकरण बनें तो यह मानवता के हित में नहीं हो सकती। ऐसे में तकनीक को जनकल्याण का माध्यम बनाना होगा। डिजिटल युग में बहुत कुछ बदला है। हमारे सोच का तरीका बदला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में आज सामान्य मानव मन से भी अधिक तेजी से तकनीक काम करने लगी है। तकनीक ने इतना विकास कर लिया है कि अब मशीनें सोचने लगी है। हमारे चिंतन और मनन को प्रभावित करने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक ने जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रवेश करने के साथ सहज बनाया है। समय तो यहां तक बदल गया है कि अब पढ़ना-लिखना ही नहीं तकनीक ने सोचना और निकश तक पहुंचना आरंभ कर दिया है। यह विकास का उजला पक्ष होने के साथ ही इसके पीछे छुपा काला पक्ष भी गंभीर है। हांलाकि प्रकृति अपना काम कर रही है और वह लगातार हमें चेतावनी देती जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है। वह हमारे निर्णयों को प्रभावित कर रही है, हमारी प्राथमिकताएं तय कर रही है, और हमारी सोच को प्रभावित कर रही है। इस दौर में हमें ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो तकनीक के चमत्कारों को संवेदनशीलता और दूरदृष्टि के साथ दिशा दे।एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सटीक और सामयिक टिप्पणी की है। दरअसल ÷टेक्नोलॉजी का लोकतंत्रीकरण होना चाहिए। हमें जन-केंद्रित एप्लिकेशन बनाने चाहिए। साथ ही हमें साइबर सुरक्षा, दुष्प्रचार और डीपफेक जैसी चुनौतियों का समाधान भी करना होगा।÷ डिजिटल नवाचार का उपयोग अब पारदर्शिता, सहभागिता और संवेदनशील सेवा-प्रणाली के रूप में सामने आ रहा है। हमारा देश आज एआई और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रख रहा है। 2024 में केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित इण्डिया एआई मिशन इसका जीता जागता उदाहरण है। इस मिशन के तहत 10,300 करोड़ रु. के निवेश से देश में एक विश्वस्तरीय एआई कंप्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य है 18,693 जीपीयू से लैस साझा कंप्यूटिंग क्षमता विकसित कर भारत को वैश्विक एआई शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करना है। विशेषज्ञों को मानना है। - **डॉ. सुबोध अग्रवाल**

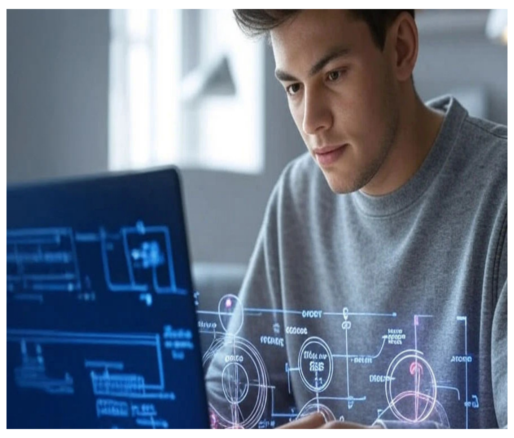

आस्था आज श्रावण शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि दिन शुक्रवार

बिहार से दिल्ली तक सियासी संग्राम-क्या मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण थ्योरी, हिंदुस्तान में इलेक्शन चोरी

संसद में हंगामा-एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची से अपात्र व्यक्तियों को हटाकर चुनाव में पारदर्शिता बढ़ाना है,जो सभी राज्यों में होना ज़रूरी संसद के पिछले कुछ सत्रों से मतदाताओं सहित पूरी दुनियाँ देख रही है,सबसे बड़े लोकतंत्र की गरिमा कैसे तार तार हो रही है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में इन दिनों 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक संसद का मानसून सत्र चल रहा है,जो चौथे दिन भी हंगामे में की भेंट चढ़ गया, विशेष गहन पुनरीक्षण पर जोरदार हंगामा चल रहा है, जिसे हिंदुस्तान में इलेक्शन चोरी की संज्ञा दी जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि,वर्तमान डिजिटल युग में पूर्ण पारदर्शिता हर क्षेत्र में होना चाहिए ताकि भारत के सभी नागरिकों को उस काम की रिपोर्ट दर्शिका पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए, कि कोई हेराफेरी गड़बड़ी या अनुचित प्रक्रिया कर किसी को अनुचित लाभ पहुंचाया जा रहा है। यदि किसी को कोई संदेह है तो सांसद सबसे बड़ा प्लेटफार्म है जहां शांतिपूर्वक बात रखी जा सकती है। आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकिपिछले चार दिनों से संसद के दोनों सदन हंगामा की वजह से बाधित होकर स्थगित हो रहे हैं व काम पूरी तरह से बाधित है। बता दें सांसद की कार्रवाई के प्रति मिनट की कास्ट 2.50 लाख़ रुपए होती है जो इन चार दिनों में करोड़ों में आंकड़ा होगा, जो कर दाताओं की गाड़ी कमाई का अपव्यय हो रहा है, दूसरी और पारदर्शिता की बात करें तो विशेष गहन पुनरीक्षण से लाखों जाली मतदाताओं को हटाया जाना कोई बुरा नहीं है।मेरा मानना है कि यह ऐसा एसआईआर पूरे भारत में पंचायत समिति से लेकर संसद तक हर स्तरपर की जानी चाहिए, ताकि चुनाव में पारदर्शिता व साफ सुथरे की एक संवैधानिक संस्थान की प्रतिष्ठा कायम होगी, क्योंकि ऐसा एसआईआर को लेकर सड़क से संसद तक हंगामा हो रहा है, इसपर जनजागरण करने की आवश्यकता है। चूंकि मतदाता लिस्ट से संवैधानिक रूप से जो पूरी तरह से अपात्र हैं, व लिस्ट में जुड़े हुए हैं तो उनको हटाया जाना ही स्वस्थ लोकतंत्र का असली सम्मान है, जिसे चुनावी विश्वसनीयता भी बढ़ती जाएगी।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बिहार से दिल्ली तक सियासी संग्राम, क्या मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण रीसेंट थ्योरी, हिंदुस्तान में इलेक्शन की चोरी है।

साथियों बात अगर हम मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 चार दिनों से बाधित कामकाज की करें तो, मानसून सत्र के तीसरे दिन भी कोई काम नहीं हो सका है,विपक्ष के भारी हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और सत्यापन यानी एसआईआर के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया हुआ है।एसआईआर के मुद्दे पर पटना से दिल्ली तक सियासी संग्राम है,बिहार में महागठबंधन की अगुवाई कर रहे,आरज़ेडी के साथ ही विपक्षी इंडिया ब्लॉक की पार्टियां इस मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग कर रही हैं। बिहार विधानसभा में भी काले कपड़े पहनकर विपक्ष प्रदर्शन कर रहा है। एसआईआर के मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों के साथ ही बिहार के भी दोनों सदनों में कार्यवाही बाधित हो रही है। विपक्ष चर्चा की मांग कर रहा है जबकि सरकार का रुख है कि इस पर चर्चा नहीं होगी, चुनाव आयोग की तरफ से सरकार जवाब नहीं दे सकती है।संसद का मानसून सत्र, जैसा कि अपेक्षित था, हंगामेदार रहा, लेकिन बार-बार स्थगित होने की सुर्खियों के पीछे एक वास्तविक लागत छिपी है,संसद के सक्रिय घंटों के दौरान प्रत्येक मिनट के लिए 2.5 लाख रुपये।वर्तमान सत्र सोमवार को शुरू हुआ और दो प्रमुख मुद्दे, जिनके कारण दोनों सदनों में गतिरोध उत्पन्न हुआ है,राज्यसभा की अपेक्षा लोकसभा में हंगामा अधिक रहा, बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण जिसे विपक्ष ने सत्तारूढ़ गठबंधन को मदद करने का प्रयास बताया है, तथा विपक्षी दलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग थी।संसद के प्रत्येक सदन को प्रतिदिन छह घंटे तक उत्पादक होना चाहिए,भोजनावकाश के एक घंटे को छोड़कर और, 2012 में पूर्व संसदीय कार्य मंत्री के अनुसार, सत्र के दौरान संसद को एक मिनट चलाने पर 2.5 लाख रुपये का खर्च आता है, या लोकसभा और राज्यसभा के लिए1.25 लाख रुपये का खर्च आता है। ये आंकड़े अब एक रूढ़िवादी अनुमान हैं, क्योंकि ये एक दशक से भी अधिक पुराने हैं, लेकिन अद्यतन आंकड़ों के अभाव में, हम आगे की गणना के लिए इन्हीं का उपयोग करेंगे। मानसून सत्र में चार दिन हो चुके हैं, यानें हर सदन को 18 घंटे काम करना चाहिए था।हालाँकि, गैर- लाभकारी संस्था पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, स्थगन के कारण राज्यसभा में 4.4 घंटे और लोकसभा में मात्र 0.9 घंटे या 54 मिनट ही काम हुआ है। इसका अर्थ यह है कि व्यवधानों के कारण करदाताओं को राज्यसभा के लिए 10.2 करोड़ रुपये (816 मिनट का नुकसान, 1.25 लाख रुपये से गुणा) तथा लोकसभा के लिए 12.83 करोड़ रुपये (1,026 मिनट का नुकसान,1.25 लाख रुपये से गुणा) का नुकसान हुआ है। साथियों बात अगर हम बिहार विधानसभा से लेकर दिल्ली मानसून सत्रतक संसद में हंगामें के कारणों की करें तो, बिहार में चल रही विशेष मतदाता सत्यापन प्रक्रिया यानी एसआईआई की प्रक्रिया का पहला चरण पूरा होने में अब केवल दो दिन का समय बचा है. शुक्रवार (25 जुलाई, 2025) को भारतीय चुनाव आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का पहला चरण समाप्त हो जाएगा औरपुनरीक्षण प्रक्रिया के पहले चरण के तहत 56 लाख मतदाताओं का नाम बिहार मतदाता सूची से कटना तय है।चुनाव आयोग की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बिहार के 56 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम एक अगस्त को आने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं होंगे,बिहार वोटर एसआई आर के तहत सामने आए ताजा आंकड़े-भारतीय चुनाव आयोग की तरफ से बुधवार (23 जुलाई) को जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक,(1)करीब 20 लाख मतदाता मृत पाए गए(2)करीब 28 लाख मतदाता स्थानांतरित हो चुके हैं (3)7 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हैं (4)1 लाख से ज्यादा ऐसे मतदाता हैं, जिनका पता नहीं चल पाया है इन आंकड़ों के आधार पर ये कुल संख्या 56 लाख से ज्यादा मतदाताओं की है,हालांकि, भारतीय चुनाव आयोग सत्यापन प्रक्रिया के तहत अब तक बिहार के कुल मतदाता संख्या के 98.01 प्रतिशत का सत्यापन कर चुका है और इनमें से 90.89 प्रतिशत यानी करीब 7.17 करोड़ फॉर्म डिजिटाइज किए जा चुके हैं।चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक,अब आखिरी एक दिन बचा हैं, लेकिन अभी तक करीब दो प्रतिशत यानी करीब 15 लाख मतदाता ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक अपना गणना फॉर्म नहीं भरा है,हालांकि, चुनाव आयोग की तरफ नियुक्त बीएलओ राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बीएलए के साथ मिलकर ऐसी सभी मतदाताओं के बारे में जानकारी जुटाने का काम कर रहे हैं, जिनके बारे में अब तक जानकारी नहीं मिली है. ऐसे में राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बीएलए की रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग ये फैसला करेगा कि किन मतदाताओं के नाम 1 अगस्त को आने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। साथियों बात अगर हम मतदाता सूची से बाहर हुए मतदाताओं को आपत्तियां और दावे करने की करें तो मतदाता सूची से 56 लाख ऐसे मतदाता का नाम बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची से कटना तय है, ये सूची 1 अगस्त को प्रकाशित होगी और अगले एक महीने का वक्त दिया जाएगा ताकि आपत?ति?यां और दावे कर्?ए जा सकें, यानी अगर किसी का नाम कट भी जाता है, तो अंतिम सूची में वो शामिल हो सकता है, अगर वो मतदाता होने का दावा साबित कर दे, बिहार में एसआईआर का पहला चरण अगले दो दिनों में पूरा होने वाला है यानी नामांकन फॉर्म को मतदाताओं से प्राप्त करने की आखिरी तारीख 25 जुलाई है, ऐसे में एक बात साफ है की 56 लाख का आंकड़ा हो या 1 लाख का, इसके बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बिहार विधानसभा में भी काले कपड़े पहनकर विपक्ष प्रदर्शन कर रहा है।एसआई आर के मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों के साथ ही बिहार के भी दोनों सदनों में कार्यवाही बाधित हो रही है. विपक्ष चर्चा की मांग कर रहा है जबकि सरकार का रुख है कि इस पर चर्चा नहीं होगी, चुनाव आयोग की तरफ से सरकार जवाब नहीं दे सकती है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बिहार से दिल्ली तक सियासी संग्राम- क्या मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण थ्योरी, हिंदुस्तान में इलेक्शन चोरी? संसद में हंगामा- एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची से अपात्र व्यक्तियों को हटाकर चुनाव में पारदर्शिता बढ़ाना है जो सभी राज्यों में होना ज़रूरी,संसद के पिछले कुछ सत्रों में मतदाताओं सहित पूरी दुनियाँ देख रही है,सबसे बड़े लोकतंत्र की गरिमा कैसे तार तार हो रही है। – **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया**

ब्रीफ न्यूज

ई-रिक्शा प्रतिबंध के खिलाफ आप का विरोध प्रदर्शन आज

भोपाल। राजधानी भोपाल में ई-रिक्शा चालकों पर लग रहे प्रतिबंधों के विरोध में आज आम आदमी पार्टी जिला इकाई के नेतृत्व में एक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी द्वारा रिक्शा रैली का आयोजन किया गया है, जो 24 जुलाई को जिंसी धर्म कांटा से शुरू होकर कलेक्टर कार्यालय तक जाएगी। आप के प्रदेश मीडिया प्रभारी मिन्हाज आलम ने बताया कि वे शहर में रोजगार से जुड़ा यह अहम मसला है और ई-रिक्शा चालकों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के मुख्य मार्गों से हटाया जा रहा है, जो हजारों परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा कर रहा है। बता दें कि फिलहाल शहर में लगभग 11,000 ई-रिक्शा चल रहे हैं, जिनमें से अधिकांश बिना परमिट के हैं। यह भी एक बड़ी वजह है जिससे ट्रैफिक और सड़कों पर अव्यवस्था बढ़ी है। भोपाल ट्रैफिक पुलिस के अनुसार फिलहाल लिंक रोड नंबर एक, वीआईपी रोड, और बोट क्लब पर ई-रिक्शा के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। यह प्रतिबंध 23 जुलाई से एक सप्ताह के ट्रायल फेज के रूप में लागू किया गया है।

रामकृष्ण कुसमारिया पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष बने

भोपाल। पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया को मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। इस आयोग में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन की बेटी मौसम बिसेन को सदस्य बनाया गया है। बता दें, मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन सितंबर 2021 में हुआ था। 2 सितंबर 2021 को जारी अधिसूचना के अनुसार इस आयोग का कार्यकाल दो साल के लिए तय किया गया था और आवश्यकता अनुसार कार्यकाल बढ़ाने की बात कही गई थी। इससे पहले 3 सितंबर 2021 को पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। रामकृष्ण कुसमारिया इस आयोग के दूसरे अध्यक्ष हैं। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन जिस आयोग के अध्यक्ष रहे उनकी बेटी को उसी आयोग में सदस्य बनाया गया है। मप्र में ओबीसी वर्ग के दो-दो आयोग हैं। मप्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन 1993 में किया गया था।

सीएस ने ली राह वीर योजना की रिव्यू मीटिंग

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा है कि सड़क दुर्घटना में घायल होने वालों को त्वरित उपचार के लिए परिवहन, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मिलकर संयुक्त रूप से कार्य करें। सभी जिलों में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये। ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए कि नीयत समय में कार्य हो सके। सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम, 2025 एवं राह-वीर योजना के प्रदेश में क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में एक बैठक में बुधवार को समीक्षा की। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को गोल्डन ऑवर मे इलाज मिल सके, इसके लिए संबंधित-विभाग मिलकर मिशन मोड में कार्य करें। दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने के सभी संभव प्रयास किये जाने चाहिये। संभावित दुर्घटना स्थलों को चिह्नांकित कर दुर्घटना के कारणों को दूर किया जाना चाहिए। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने तथा नागरिकों को जागरूक करने का कार्य किया जाये।

अडाणी समूह की कंपनी मप्र में बिजली ट्रांसमिशन में उतरेगी, लाइसेंस मांगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में अडाणी समूह की सक्रियता अब विद्युत पारेषण क्षेत्र में भी बढ़ रही है। समूह की सहयोगी कंपनी महान ट्रांसमिशन लिमिटेड ने राज्य में ट्रांसमिशन लाइसेंस के लिए मप्र विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल की है। कंपनी ने टैरिफ याचिका के जरिए आयोग से लाइसेंस की मांग की है। आयोग ने इस याचिका पर आम जनता, हितधारकों और संबंधित पक्षों से 11 अगस्त तक सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। इसके बाद 20 अगस्त को जनसुनवाई होगी। इसमें याचिका पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। महान ट्रांसमिशन लिमिटेड का अधिग्रहण इस साल की शुरुआत में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने किया है। यह परियोजना सिंगरौली के बंधौरा में स्थित महान एनर्जेन लिमिटेड के थर्मल पावर प्लांट से जुड़ी है। यहां से उत्पादित बिजली का पारेषण किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना के तहत मध्यप्रदेश को आवंटित 1230 मेगावॉट बिजली की निकासी के लिए नया ट्रांसमिशन नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं के लिए तैयार करें पाठ्यक्रम : राज्यपाल श्री पटेल

स्किल ही करेंसी है, युवाओं के लिए आईटी और एग्रीकल्चर क्षेत्र में शुरू हुए रोजगारपरक कोर्स : मुख्यमंत्री

नगर संवाददाता

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं को पहचान कर विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम तैयार करें। उन्होंने प्रदेश में देश विदेश से निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल की सराहना की है। अपेक्षा की है कि निवेश परियोजना क्रियान्वयन के साथ ही उद्योग में रोजगार के लिए उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध कराने के लिए कोर्स प्रारम्भ करें, जिससे परियोजना शुरू होने के साथ ही आवश्यकता अनुसार स्थानीय स्तर के युवा उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज करेंसी का जमाना है, लेकिन स्किल (कौशल) ही करेंसी है, भारत इसे अच्छी तरह समझता है। इसीलिए हम नवाचार करते हुए कौशल विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। मध्यप्रदेश एक कृषि प्रधान और तेजी से बढ़ता राज्य है। इसीलिए हम खेती की पढ़ाई को सामान्य महाविद्यालयों तक लेकर गए हैं। अगर कोई युवा खेती में करियर बनाना चाहे तो उसे आधुनिक तकनीक की जानकारी होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों के दायरे विस्तृत होने चाहिए। सभी कोर्स यहां से संचालित होने चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उक्त विचार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विकसित मध्यप्रदेश @2047 'रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही है। कार्यशाला

का आयोजन बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर कार्यशाला समय की आवश्यकता है। भविष्य की तैयारी का सशक्त मंच है। रोजगार केन्द्रित शिक्षा और विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के योगदान को बढ़ाने की प्रभावी पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ है। यह समय के साथ तालमेल बैठाने, नवाचारों को अपनाने और नवीन अवसरों का लाभ उठाने के लिए व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को सक्षम बनाती है। इसलिए हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों तक सुलभ पहुंच देने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा से मनुष्य का समग्र विकास होता है। यह आयोजन को बदलते दौर में रोजगार आधारित शिक्षा और अवसरों का विकास करने के क्रम किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर सबसे पहले 1968 और उसके बाद 1988 में मंथन हुआ। अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर तीसरी बार मंथन हो रहा है। लेकिन आजादी के बाद 2020 से पहले कभी भी लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर आकर विचार नहीं किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल शासन की मंशा को समझने वाले दृष्टा थे। इसी भाव से उन्होंने सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार करते हुए देश की जड़ों को मजबूत करने का कार्य किया। महात्मा गांधी ने अहिंसा के अस्त्र का उपयोग करते हुए देश के गांव-गांव तक स्वतंत्रता की अलख जगाई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया, भारत के साथ आने के लिए लालायित है। आक्रांताओं ने भारतीय संस्कृति पर आक्रमण करने के लिए हमारी शिक्षा के बड़े केंद्रों तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला को तोड़ने और जलाने का कार्य किया। मध्य प्रदेश 64 कलाओं की शिक्षा वाली भूमि है।

सीएम बोले-सर्पदंश की घटनाएं हमारे लिए चुनौती

भोपाल में कहा- प्रदेश में सांपों के काटने से हो रहीं सर्वाधिक मौतें रोकने के उपाय करें

नगर संवाददाता

भोपाल। सीएम डॉ मोहन यादव ने प्रदेश में सर्पदंश के कारण असमय हो रही मौतों पर चिंता जताई है। सीएम ने भोपाल में भारतीय वन प्रबंध संस्थान में आयोजित वन विकास निगम की 50 वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम ने कहा- वैसे कई सवाल मैं ही उठाता रहता हूं जैसे रैपटाइल में सांपों की गिनती की ही प्रक्रिया नहीं हैं। इसमें आपका(वन विभाग) दोष नहीं हैं। ये मैंने पूरे देश में पूछा तो बताया हमारे यहां सांपों की गिनती की प्रक्रिया ही नहीं हैं। सीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, किसी भी निगम की 50 साल की यात्रा हमारे लिए गौरवपूर्ण है। हमारे निगम को न केवल बल्कि महाराष्ट्र में भी काम मिल रहा है। आपने दूरगामी दृष्टि से अच्छी छलांग लगाने का काम किया है। निगम में जो संभावनाएं हैं, उसे और टटोला जाए। जब हम 50 साल के मुकाम तक पहुंचते हैं तो सिंहावलोकन करते हुए पुरानी व्यवस्थाओं के आधार पर अगली छलांग और बड़ी लगाने का संकल्प लेने की जरूरत है। सीएम ने कहा, अच्छे कामों को केंद्र सरकार भी प्रोत्साहित करती है। निवेश को लेकर हमारे राज्य की वन संपदा की जो नीलामी करते हैं। तो हम जोधपुर गए थे मैंने कहा था कि फर्नीचर कलस्टर का जहां भी निर्यात

होता है। हमें लगा कि हमारे यहां बहुत बड़ी इमारती लकड़ी है उन्नत श्रेणी का सागौन है लेकिन पूरे देश में सबसे ज्यादा निर्यात राजस्थान के जोधपुर से होता है।सीएम ने कहा- हमने जोधपुर में पूछा तो उन्होंने बड़ी चौंकाने वाली बात बताई कि आपके यहां जो है वो है। हम तो बबूल और आम से ही दुनिया भर में निर्यात कर रहे हैं। ये हमारे लिए अलग प्रकार का अनुभव भी आया। हमारे लिए और चैलेंज हो गया। हमारे यहां तो उसे जलाऊ लकड़ी के रूप में देखते थे। जलाऊ लकड़ी का ही फर्नीचर अगर अच्छा है अगर हम सागौन का फर्नीचर देंगे तो दुनिया पागल ही हो जाएगी। वन विकास निगम भविष्य की संभावनाओं पर काम करे। उस दिशा में आगे बढ़े। बाकी वन्य क्षेत्रों को डेवलप करने में आपने अच्छी सामग्री डेवलप कर ली उसमें और क्या क्या हो सकता है। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा, वैसे तो आदि काल से कुछ मामलों में हमारे यहां सीमाएं नहीं होती जैसे ऋषि-मुनि इनकी किसी राज्य के अंदर रुकने की कोई सीमा नहीं होती। इसी प्रकार से वनों की कोई सीमा नहीं होती। हम तो और भाग्यशाली हैं सघन वन के भरोसे से हम हिमालय से आंख मिलाकर बात कर रहे हैं। हिमालय से गंगोत्री यमुनोत्री में हिमखंडों से जलधारा निकलती है लेकिन हमें गर्व है मप्र में केवल वनों के भरोसे से बराबरी की जलधारा से उनकी धारा को भी मजबूत करती है।

बेटे का दोस्तों से विवाद था, उन्हीं ने अनहोनी की

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल के कमला नगर इलाके में तालाब में डूबने से जिस शुभम की मौत हुई, उसके पिता ने साथ नहा रहे दोस्तों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता बसंत का कहना है है कि भय्यु नाम के युवक से बेटे का विवाद था। उसने बेटे पर चाकू से जानलेवा हमला किया था। इस मामले की शिकायत कमला नगर थाने में दर्ज कराई थी। केस अभी न्यायालय में विचाराधीन है। दिनेश पाटिल नाम के युवक से भी बेटे का विवाद था, वह भय्यु का साथी है। मुझे शक है कि इन दोनों युवकों ने ही बेटे के साथ कोई अनहोनी की है। जहां बेटा डूबा वहां पानी बहुत अधिक नहीं था। मुझे संदेह है कि भय्यु और दिनेश ने ही बेटे की सुनियोजित तरीके से पानी में धक्का देकर हत्या की है। पूरे मामले की बारीकी से जांच की जानी चाहिए, वहीं पुलिस शुरूआती जांच में केस को हादसा मानकर चल रही है। यहां से सभी दोस्तों ने मछली पकड़ने का इरादा बनाया और सब्जी मंडी के पीछे सीवेज प्लांट के पास बड़े तालाब किनारे पहुंचे।

श्रावण के दूसरे सोमवार को जिलेभर में शिवालयों में जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही

नागपाल शर्मा माचाड़ी की रिपोर्ट

(माचाड़ीअलवर)- अलवर जिले सहित राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र व रैणी, राजगढ़ के ग्रामीण आंचल माचाड़ी कस्बे व जिरावली गांव में सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में अभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। आसपास के शिवालयों में सुबह 05 बजे बाद ही चहल-पहल शुरू हो गई। भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर आरती की गई। आरती के बाद श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक शुरू किया। राजगढ लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र फ जरावली, पलवा,माचाड़ी,पाटन,कोठीनारायणपुर, पाटन,ईशवाना,सालोली सहित अनेक जगहों पर स्थित महादेव मंदिर पर शिव भक्तों ने पंचामृत से अभिषेक कर बिल्वपत्र चढ़ाएं। यहां दिनभर शिव भक्तों में सावन की रिमझिम बारिश के बीच दर्शन कर पूजा अर्चना की। भक्तों ने शिव सवारी नंदी महाराज व गौमाता को बचाने की कामना की तथा गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने प्रार्थना करने के साथ अपने परिवार के साथ अभिषेक कर सुख शांति की कामना की। मंदिरों में भजन कीर्तन किया। इस दौरान श्रद्धालु सुरेश चंद शर्मा, शुभम शर्मा,पुष्पेंद्र पंडित,शास्त्री ओमप्रकाश तिवारी,बृजवासी गौरक्षक सेना भारत संघ के प्रदेश मिडिया प्रभारी नागपाल शर्मा नंदलाल कोली,सुरेंद्र शर्मा,मोना पटेल,कृष्णा शर्मा,सुनीता शर्मा,ममता शर्मा सहित दर्जनों श्रद्धालु मौजूद रहे।

लव जिहाद आरोपियों के साथ पुलिस अफसरों के फोटो

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल के एक कॉलेज में हिन्दू छात्राओं को टारगेट कर रेप करने, धर्म परिवर्तन कराने और ड्रग्स की लत लगाने के मामले में हुई कार्रवाई के बाद राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भोपाल पुलिस पर सवाल उठाए हैं। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने ट्वीट कर कहा है कि दो दिन पहले जिस यास्मीन मछली और शावर को पुलिस में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है उसका चाचा सोहेल पुलिस के कई अफसरों का दोस्त है। इन अफसरों के भोपाल में रहते निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। इसलिए इन्हें हटाने की कार्यवाही के लिए लिखा जा रहा है। कानूनगो ने सोहेल के साथ कुछ अफसरों की फोटो भी एक्स पर अपलोड की हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने आज एक्स पर किए ट्वीट में लिखा है कि भोपाल का आपराधिक ताना-बाना समझिए। स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाली हिंदू लड़कियों को टारगेट कर उनको पार्टियों के बहाने ड्रग्स की लत लगवाना, बलात्कार करके वीडियो बनाना, वीडियो के माध्यम से ब्लैकमेल कर सामूहिक यौन शोषण करना और फिर इस्लाम में धर्मांतरण का दबाव बनाकर जीवन भर के लिए सेक्स स्लेव बना कर रखना।

तुलसी दिवस जागृति व पत्रकार सम्मान समारोह आज

नागपाल शर्मा माचाड़ी की रिपोर्ट

(राजगढ़अलवर)- सर्व समाज जागृति मंच (रजि.) जयपुर व राजगढ़-रैणी पत्रकार संघ द्वारा प्रथम पत्रकार सम्मान समारोह व पत्रकार सम्मेलन का आयोजन के साथ साथ 25 दिसंबर को तुलसी दिवस के उपलक्ष्य में तुलसी जागृति अभियान कार्यक्रम का आयोजन आज शुक्रवार को प्रातः 11.30 बजे बांदिकुई मार्ग पर स्थित ठिकाना गंगाबाग में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी सीमा मीना, पुलिस उपाधीक्षक मनीषा मीना, थानाधिकारी राजेश कुमार मीना, ठिकाना गंगाबाग

के महंत प्रकाश दास महाराज, सर्व समाज जागृति संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व बृजवासी गौरक्ष सेना भारत संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश चंद शर्मा, बृजवासी गौरक्ष सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत धर्मदास महाराज व श्री श्री 108श्रीमहंत माधव दास महाराज सहित अनेक गणमान्य लोग पत्रकारों के साथ उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष संत धर्मदास महाराज प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चंद शर्मा द्वारा गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने के बारे में जानकारी दी जाएगी।

भोपाल नगर निगम की बैठक, 2 जगहों के नाम बदलेंगे

बीजेपी पार्षद ने कहा-कमिश्नर के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाए

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की बैठक शुरू हो गई है। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने प्रश्नकाल शुरू होने की बात की। इससे पहले बीजेपी पार्षद विलास राव घाड़गे ने कमिश्नर हरेंद्र नारायण की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठा दिए। उन्होंने कमिश्नर के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लाने की बात कहीं। इसके बाद वे अध्यक्ष की आसंदी के सामने जमीन पर बैठ गए। पार्षद के इस कदम पर एमआईसी मेंबर जगदीश यादव ने आपत्ति ली। उन्होंने कहा कि कमिश्नर ऐसे नहीं है। उनके प्रयास से ही भोपाल देश में दूसरे नंबर पर आया है। इसी मुद्दे पर कांग्रेसी पार्षद भी मैदान में उतर गए। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, पार्षद मो. सरवर,

योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने भी कमिश्नर का पक्ष रखा। कुछ देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इसके बाद अध्यक्ष सूर्यवंशी ने पार्षद घाड़गे को समझाकर उठने को कहा। हंगामे के बाद 1 घंटे का प्रश्न काल शुरू किया गया। बैठक में 3 बड़े प्रस्ताव रखे जाएंगे। जिनमें 2 जगह के नाम बदलने और 25 करोड़ रुपए से 6 विसर्जन कुंड बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं। पानी और सड़क जैसे मुद्दे पर विपक्ष का शहर सरकार को घेरने का प्लान है। सुलभ शौचालय का शुल्क बढ़ाने को लेकर भी उनकी नाराजगी सामने आ सकती है। नाम बदलने के दोनों प्रस्ताव एमआईसी से पास हो चुके हैं। पुराने शहर स्थित ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदलकर राम बाग और विवेकानंद पार्क के पास चौराहे का नाम विवेकानंद चौक किया जाएगा।

वार्ड-69 के पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदले जाने का प्रस्ताव दिया है। 26 मई-24 को पुराना अशोका गार्डन सुधार समिति ने साधारण सभा के बाद ओल्ड अशोका गार्डन का नाम राम बाग करने का प्रस्ताव दिया था।

80 फीट रोड स्थित विवेकानंद पार्क, अशोका गार्डन के पास चौराहे का नाम विवेकानंद चौक करने का प्रस्ताव आएगा। यह प्रस्ताव भी पार्षद गुप्ता ने दिया था। चौराहे की पहचान के लिए रहवासी नवीन नामकरण की मांग कर रहे थे। वीआईपी रोड किनारे चौपाटी बनाने का मुद्दा कांग्रेस के पार्षद अजीज उद्दीन ने उठाया और अफसर को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि पिछली बैठक में भी मैंने मुद्दा उठाया था, तब जांच कमेटी बनाई गई थी, पर कमेटी में शामिल हर्षल तिवारी ने कभी फोन ही नहीं उठाया। चार महीने में जांच नहीं हुई। आसंदी से जांच के निर्देश दिए गए हैं। मैं अगली परिषद में पूछूंगा कि क्या हुआ।बीजेपी के पार्षद विलास राव घाड़गे ने निगम कमिश्नर के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की है। उनका कहना है कि आयुक्त की कार्यप्रणाली से मैं संतुष्ट नहीं हूं। उनका काम करने का तरीका अजीबो गरीब है। छोटे कर्मचारियों से द्वेषभाव रखते हैं।

नर्सिंग छात्रा के साथ फ्लैट में बंधक बनाकर रेप

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल के अवधपुरी में एक फ्लैट में नर्सिंग छात्रा के साथ सीनियर छात्र ने रेप किया। घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात की है। बुधवार की रात को पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है। आरोपी युवक पीड़िता का सीनियर है। लड़की के बर्थ डे को सेलिब्रेट करने के नाम पर उसे फ्लैट में बुलाकर डरा धमकाकर रेप किया गया है। आरोपी की अभी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। टीआई रतनलाल सिंह परिहार ने बताया कि (21) वर्षीय पीड़िता बागसेवनिया इलाके में रहती है। वह बीएससी क्लिनिक रिसर्च (नर्सिंग) प्रथम वर्ष की छात्रा है। रायसेन रोड पर उसका प्राइवेट कॉलेज है। इसी कॉलेज में राहुल मिश्रा नाम का युवक उसका सीनियर है। कई बार राहुल कॉलेज के छोटे मोटे कामों में उसकी मदद करता था। इसी कारण दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। दो दिन पहले लड़की का जन्मदिन था। आरोपी ने पीड़िता के जन्मदिन को सेलीब्रेट करने के नाम पर उसे फ्लैट पर बुलाया। यहां उसके अन्य दोस्त पहले से मौजूद थे। देर रात केक कटिंग करने के बाद में आरोपी ने अपने साथियों को फ्लैट के दूसरे रूम में जाने के लिए कह दिया।

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं

सिंपल साड़ी के साथ कैरी करें गोटा पट्टी वाले ब्लाउज, मिलेगा क्लासी और खूबसूरत लुक

गोटा वर्क ब्लाउज को किस तरह की साड़ी के साथ पहनना चाहिए। यह समझना बेहद जरूरी होता है। इसलिए जरूरी है कि आप गोटा पट्टी वाले ब्लाउज को शिफॉन, जॉर्जेट, सिल्क या नेट वाली साड़ी के साथ पहन सकती हैं। पारंपरिक परिधानों में गोटा पट्टी का काम एक खास चमक और खूबसूरती जोड़ता है। जिस कारण महिलाओं के बीच गोटा वर्क वाले आउटफिट्स की जबरदस्त डिमांड रहती है। वहीं मार्केट में आपको गोटा पट्टी वर्क वाली साड़ियों की भरपूर वेराइटी देखने को मिल जाएगी। लेकिन गोटा पट्टी का यह वर्क अब सिर्फ साड़ियों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि आजकल गोटा पट्टी ब्लाउज भी काफी ट्रेंड में हैं। यह ब्लाउज काफी आकर्षक और मनभावन होते हैं कि इनको एक ही नजर में खरीदने का मन करता है। लेकिन गोटा वर्क ब्लाउज को किस तरह की साड़ी के साथ पहनना चाहिए। यह समझना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि कई बार महिलाएं इन ब्लाउज को खरीद तो लेती हैं, लेकिन उनको गलत साड़ी के साथ पहनकर अपना पूरा लुक बिगाड़ लेती हैं। इसलिए जरूरी है कि आप गोटा पट्टी वाले ब्लाउज को शिफॉन, जॉर्जेट, सिल्क या नेट वाली साड़ी के साथ पहन सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ गोटा वर्क ब्लाउज के बेहतरीन डिजाइनों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि किस फैब्रिक की साड़ी के साथ इन ब्लाउज को स्टाइल किया जा सकता है।

इस फेस मास्क का इस्तेमाल करने से मिलेगी दमकती त्वचा, शीशे में देख हो जाएंगी खुश गोटा पट्टी ब्लाउज की 5 डिजाइंस गोटा पट्टी का काम राजस्थानी कला का एक

बेहतरीन उदाहरण है। पूरे विश्व में यह एम्ब्रॉयडरी फेमस है। एक छोटा और पतला सा गोटा पूरे ब्लाउज की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है। गोटा पट्टी चेक एम्?ब्रॉयडरी ब्लाउज डिजाइन नेट फैब्रिक में भी अब गोटा वर्क वाली साड़ी आती है। इस तरह की साड़ी के साथ आप गोटा पट्टी चेक एम्ब्रॉयडरी ब?लाउज कैरी कर सकती हैं। इन पर सिंपल सोबर गोटे वर्क से चेक डिजाइन काफी अच्छे लगते हैं। सिंपल नेट की साड़ी के साथ इस तरह के ब्लाउज पहनें और हाथों में ढेर सारी मैचिंग चूड़ी पहनें। इससे आपको परफेक्ट एथनिक लुक मिलेगा। गोटा पट्टी एम्ब्रॉयडरी ब?लाउज डिजाइन यह एम्ब्रॉयडरी बहुत बारीक नहीं होती है, तो आप इसको बोल्ड एम्ब्रॉयडरी कह सकती हैं। लेकिन यह थीम बेस्ड होती है। गोटा पट्टी एम्ब्रॉयडरी में बनी ठनी, श्रीनाद और चारबाग आर्ट के कई नमूने देखने को मिल जाएंगे। आप किसी भी सिंपल शिफॉन साड़ी के साथ यह ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। यह ब्लाउज आपको पार्टी गेटअप देते हैं और कम बजट में एक डिजाइनर फील देने वाला आउटफिट मिल जाता है।

गोटा पट्टी पाइपिंग ब्लाउज डिजाइन

गोटा पट्टी पाइपिंग वाले ब्लाउज की खासियत यह है कि इनको छोटे और बड़े ब्रेस्?ट कैसे भी हों आप पहन सकती हैं। आप डुएल रंग के कपड़े को लेकर ब?लाउज तैयार करवा सकती हैं। वैसे तो यह ब्लाउज आपको चोलीकट डिजाइन में बनवाना चाबिए, खासतौर पर अगर ब्रेस्ट का साइज छोटा है। तो इस तरह की डिजाइंस ब्रेस्ट को लिफ्ट करेंगी। वहीं बड़े ब्रेस्ट साइज पर भी फिटिंग अच्छी मिलेगी।

गोटा पट्टी लाइनिंग ब्लाउज डिजाइन

बता दें कि वर्टिकल और हॉरीजॉन्टल लाइनिंग वाले गोटा पट्टी वर्क ब्लाउज भी काफी अच्छे दिखते हैं। ऑर्गेंजा साड़ी के साथ आप ऐसे ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज दिखने में क्लासी लगते हैं। ऐसे में आप किसी भी बड़े अवसर या फिर तीज-त्योहार में कैरी करती हैं, तो सभी की नजरें आपके लुक पर टिक कर रह जाएंगी। आप फुल और हाफ दोनों तरह की स्लीव्ज बनवा सकती हैं।

सिंपल गोटा पट्टी ब्लाउज डिजाइन

अगर आपकी साड़ी में हैवी गोटा वर्क है, तो आप सिंगल गोटा वर्क वाला ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज आप किसी भी टेलर से सिलवा सकती हैं। आप सिंपल ब्लाउज में भी स्लीव्ज या फिर बैक में ससोबर गोटा वर्क करा सकती हैं। आप किसी भी सिंपल साड़ी के साथ इस तरह का ब्लाउज कैरी कर सकती हैं।

श्रीराम कथा से पहले भगवान शिव ने बताए जीवन के वो सत्य, जो हर मानव को जानना चाहिए

भगवान शंकर देवी पार्वती को बताते हैं कि मानव शरीर के हर अंग का उद्देश्य प्रभु भक्ति और सेवा है। कान हरि कथा सुनने के लिए हैं, पर निंदा से भर जाते हैं; आँखें संतों के दर्शन के लिए हैं, पर संसार की सुंदरता में उलझ जाती हैं। इस प्रकार, मनुष्य अपने शरीर के वास्तविक लक्ष्य से भटक जाता है। भगवान शंकर जब देवी पार्वती को श्रीराम कथा का रसपान कराना आरम्भ करते हैं, तो सर्वप्रथम वे जो वाक्य कहते हैं, वे बड़े सार्थक व गंभीर हैं। भोलेनाथ कहते हैं, कि हे पार्वती जब मानव के शरीर की रचना होती है, तो उसके तन के प्रत्येक अंग को प्रभु भक्ति व सेवा साधना के लिए ही रचा गया होता है। उदाहरणतः अगर हम मनुष्य के कानों की ही बात करें, तो साधारण मानव अपने कर्ण द्वारों से, संसार के रसहीन रागा व गीतों को ही तो सुनता है। उसे मन को विचलित वाले गीतों में जो रुचि मिलती है, वह उसे प्रभु की कथा में नहीं मिलती। किसी की निंदा अथवा चुगली हो, तो वह अपने कर्ण द्वारों को ऐसे खोलता है, मानों स्वर्ग के द्वार खोले जा रहे हों। ऐसे ही लोगों के लिए भगवान शंकर ने कहा- 'जिन्ह हरिकथा सुनी नहिं काना। श्रवन रंध्र अहिभवन समाना।।' अर्थात जो लोगों ने, कभी भी हरि की कथा को श्रवण नहीं किया। उनके कानों के छेद, कोई साधारण छेद न होकर, सर्पों की बिल वाले छेदों के समान हैं। निश्चित ही सर्प कभी बिल नहीं खोद सकता। क्योंकि उसकी देहाकृति उसे बिल खोदने की आज्ञा नहीं देती। प्रश्न उठता है, कि फिर कैसे सर्प की इतनी बिलें दिखाई देती हैं? वास्तव में सर्प चूहे की बिल पर आक्रमण करता है। बिल में चूहे को मार कर व उसे खाकर, सर्प उस बिल को अपना घर बना लेता है। जहाँ वह हर समय फूंकारता रहता है। बिल को अपने विष से विषाक्त रखता है। ठीक इसी प्रकार से हमारे कानों में रहना तो चाहिए, प्रभु की कथा के शब्दों का रस। किंतु निंदा व चुगली जैसे विषाक्त शब्दों रुपी सर्प, हमारे कानों पर अधिकार कर लेते हैं। जिस कारण हमारे कानों में केवल विष ही विष भरा होता है। इसके पश्चात भगवान शंकर कहते हैं- 'नयनन्हि संत दरस नहिं देखा। लोचन मोरपंख कर लेखा।।' अर्थात हमारे नयनों का भी एक विशेष कार्य है। देखा जाये तो व्यक्ति के मुख की सुंदरता में, आँखों की बनावट का बहुत बड़ा हाथ होता है। किसी नारी के नेत्रें की सुंदरता का बखान, इस अलँकृत शब्दों के साथ किया जाता है, कि अमुक सुंदरी की आँखें तो मृग की भाँति हैं। या यूँ कहें, कि वह नारी तो मृगनयनी है। देवी पार्वती का ऐसा कौन सा प्रश्न सुनकर महादेव जी के हृदय में सारे रामचरित्र आ गए क्या संतों की दृष्टि में भी, नयनों की सुंदरता की यही परिभाषा है? जी नहीं ! वे इस तथ्य पर कभी केंद्रित नहीं होते, कि किसी की चमड़े की आँख कैसी है, या कैसी नहीं? अपितु वे यह देखते हैं, कि किन नेत्रें ने संतों के दर्शन किये हैं, या किन नेत्रें ने नहीं किये? अगर किसी ने संपूर्ण सृष्टि में, समस्त सुंदर लोकों व दृष्यों का दर्शण किया है, किंतु संतों का दर्शण नहीं किया, तो मान लेना चाहिए, कि उसके नेत्रें का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता। उसके नेत्र ठीक ऐसे हैं, जैसे मोर के पंखों पर आँख बनी होती है। मोरपंख पर बनी आँख देखने में तो बहुत सुंदर होती है, किंतु उसकी सुंदरता किसी नेत्रहीन को कोई लाभ नहीं देती है। विचार करके देखिए, कोई नेत्रहीन उस मोरपंख पर बनी आँख को, अपने नेत्रें पर लगाकर कलपना करे, कि अब मुझे दिखने लग जायेगा। तो निश्चित ही यह उसका मतिभ्रम व अज्ञानता है। मोरपंख पर बनी आँख का उसके जीवन में कहीं से भी, कोई लाभ नहीं है। इसलिए ईश्वर ने यह मानव तन दिया है, तो इसकी सार्थक्ता इसमें नहीं, कि इससे संसार के मात्र भोग किये जायें। अपितु इसमें है, कि जीवन रहते-रहते, प्रभु की सेवा व साधना की जाये। क्योंकि यही जीवन का वास्तविक लक्ष्य है।

पैन कार्ड 2.0 डाउनलोड किया तो हो जाएगा नुकसान, सरकार ने दी चेतावनी, जानें यहां पूरी जानकारी

सरकार ने कुछ दिनों पहले PAN 2.0 CARD लॉन्च किया है। स्कैमर्स इसी का फायदा उठाते हुए टैक्सपेयर्स को नया अपडेट क्क्ह 2.0 कार्ड डाउनलोड करने के लिए ईमेल भेज रहे हैं। सरकार का कहना है कि उनकी ओर से ऐसे कोई ईमेल नहीं भेजे जा रहे हैं, जिसमें कार्ड धारक को पैन 2.0 डाउनलोड करने के लिए कहा जा रहा है। पैन कार्ड स्कैम को लेकर भारत सरकार ने अलर्ट जारी किया है। सरकार ने कुछ दिनों पहले क्क्ह 2.0 छ्रक्रष्ठ लॉन्च किया है। स्कैमर्स इसी का फायदा उठाते हुए टैक्सपेयर्स को नया अपडेट पेन 2.0 कार्ड डाउनलोड करने के लिए ईमेल भेज रहे हैं। सरकार का कहना है कि उनकी ओर से ऐसे कोई ईमेल नहीं भेजे जा रहे हैं, जिसमें कार्ड धारक को क्क्ह 2.0 डाउनलोड करने के लिए कहा जा रहा है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और पीआईबी ने अलर्ट जारी किया है कि केवल ऑफिशियल सरकारी पोर्टल में ही पैन कार्ड से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध हैं। साथ ही अनजान ईमेल, कॉल या एसएमएस पर आए

लिंक पर भरोसा न करें और इन पर क्लिक कर पैन कार्ड न डाउनलोड करें और न ही अपडेट करें। यहां जानें पैन कार्ड से जुड़े स्कैम के बारे में।

पैन 2.0 कार्ड स्कैम

पैन कार्ड से जुड़े स्कैम में यूजर्स को अनजान मेल आईडी से मेल भेजे जा रहे हैं। इन मेल के सब्जेक्ट में पैन 2.0 कार्ड लिखा हुआ है और अंदर यूजर्स को कुछ संदिग्ध लिंक मिलते हैं। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो की फेक्ट चेक यूनिट ने इस तरह की मेल को धोखाधड़ी बताते हुए यूजर्स को सावधान रहने की सलाह दी है। पीआईबी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए लिखा है कि इस तरह के किसी भी मेल, कॉल या मैसेज पर रिस्पॉन्स नहीं करने को कहा है, जिसमें यूजर्स से उनकी फाइनेंशियल या निजी डेटा मांगा जाता है। साथ ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी साफ किया है कि वह टैक्स पेयर्स से ईमेल पर किसी तरह का पर्सनल डेटा या फाइनेंशियल डिटेल्स जैसे बैंक अकाउंट, पासवर्ड या क्रेडिट कार्ड से जुड़ी जानकारी नहीं मांगता है। इसके साथ ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ईमेल लिंक के जरिए पैन कार्ड या ई-पैन कार्ड नहीं भेजता है। सरकार ने ये साफ किया है कि कोई ई-पैन सर्विस सिर्फ और सिर्फ वेरिफाइड सरकारी पोर्टल पर मौजूद रहती हैं। इन सेवाओं को थर्ड पार्टी लिंक या ईमेल के जरिए उपलब्ध नहीं करवाया जाता है।

घर पर बनाएं खट्टी-मीठी स्वाद से भरी जामुन की चटनी, यहां देखें पूरी रेसपी

गहरा बैंगनी रंग, खट्टा-मीठा स्वाद और हल्का सा कसैलापन लिए जामुन को नमक के साथ खाने में काफी मजा आता है। क्या आप जानते हैं कि जामुन की चटनी खाने के स्वाद को दोगुना बढ़ा सकती है। हम आपके साथ जामुन की चटनी की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। जब भी मानसून शुरू होता है, तो मार्केट में जामुन भी आने लगते हैं। गहरा बैंगनी रंग, खट्टा-मीठा स्वाद और हल्का सा कसैलापन लिए जामुन को नमक के साथ खाने में काफी मजा आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जामुन को स्टोर करके उससे कई सारी रेसिपीज भी बनती हैं। कुछ लोग जामुन का जैम, खट्टा-मीठा जूस और चटनी आदि ब्रेड से लेकर पराठे के साथ अच्छा लगता है। हालांकि कई लोग जामुन की चटनी बनाने में संकोच करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जामुन की चटनी खाने के स्वाद को दोगुना बढ़ा सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ जामुन की चटनी की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। मेहमानों के लिए घर पर बनाएं हलवाई जैसा मक्खन वड़ा, यहां देखिए आसान रेसिपी

सामग्री

ताजे जामुन- 250 ग्राम , गुड़- 1/2 कप

हरी मिर्च- 1-2, अदरक- 1 इंच का टुकड़ा , इमली का गूदा- 1 छोटा चम्मच, जीरा पाउडर- 1/2 चम्मच, काला नमक - स्वादानुसार, सफेद नमक - स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच, चाट मसाला- 1/2 चम्मच, राई- 1/2 चम्मच, हींग- 1/4 चम्मच, पानी आवश्यकतानुसार

ऐसे बनाएं जामुन की खट्टी-मीठी चटनी

सबसे पहले जामुन को अच्छे से धो लें, फिर गूदे को अलग कर लें। आप चाहें तो जमानु को हल्का सा उबालकर ठंडा कर सकती हैं। जिससे कि जामुन का गूदा आसानी से निकल जाए। अगर जामुन हल्का कच्चा या कसैला हो। ऐसे में इनको 2-3 मिनट उबालना काफी अच्छा ऑप्शन होगा। अब एक ब्लेंडर जार में जामुन का गूदा, हरी मिर्च, गुड़, इमली का गूदा, जीरा पाउडर, कद्दूकस किया हुआ अदरक, काला नमक, सफेद नमक, लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला डालें। फिर जार में थोड़ा सा पानी डालकर स्मूथ पेस्ट बना लें। ध्यान रखें कि इस पेस्ट को ज्यादा पतला नहीं होना चाहिए, इसलिए पानी धीरे-धीरे डालें और फिर जरूरत के हिसाब से एडजस्ट करें। इसके बाद छोटे से पैन या कड़ाही में तेल गर्म करें। तेल गर्म होने पर इसमें राई डालें और चटकने दें। इससे चटनी का स्वाद दोगुना हो जाएगा और यह थोड़ा गाढ़ी भी हो जाएगी। इसको लगातार चलाते रहें, जिससे कि यह नीचे नहीं लगे। अब हींग डालकर थोड़ी देर भूनें और फिर जामुन की चटनी में मिला दें। आप चाहें तो तड़के वाले पैन में चटनी को डालकर 2-3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पका सकते हैं।

अधिक मीठा खाने से क्यों खराब हो जाती है किडनी, वरना खराब हो सकती है सेहत

हेल्दी चीजें किडनी के कामकाज को बेहतर बनाने में सहायता करती है। वहीं अगर आपका खानपान सही नहीं है, तो इसका किडनी फंक्शन पर बुरा असर हो सकता है। अधिक मीठा खाने से किडनी पर बुरा असर होता है।

शरीर से वेस्ट बाहर निकालने का प्रोसेस किडनी करती है। ऐसे में हेल्दी रहने के लिए किडनी का सही तरह से फंक्शन करना जरूरी है। इसके लिए खान-पान में हेल्दी चीजों को शामिल करना चाहिए। हेल्दी चीजें किडनी के कामकाज को बेहतर बनाने में सहायता करती है। वहीं अगर आपका खानपान सही नहीं है, तो इसका किडनी फंक्शन पर बुरा असर हो सकता है। अधिक मीठा खाने से किडनी पर बुरा असर होता है। यह बात तो आपने जरूर सुनी होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अधिक मीठा खाने से किडनी क्यों खराब हो जाती है।

ज्यादा मीठा खाने से क्यों खराब हो जाती है किडनी

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, अधिक मीठा खाने से सिर्फ मोटापा ही नहीं बढ़ता है, बल्कि शरीर के कई जरूरी अंग और उनके फंक्शन्स पर भी असर होता है। इनमें किडनी सबसे अहम है।

पैंटी बन सकती है वजाइनल इंफेक्शन का कारण, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

अधिक मीठा खाने से शरीर में ग्लूकोज का लेवल बढ़ता है और यह लेवल लंबे समय तक बढ़ा रहता है। तो शरीर में इंसुलिन के बैलेंस पर भी असर होता है। वहीं यह कंडीशन आगे जाकर टाइप 2 डायबिटीज का रूप ले सकती है।

डायबिटीज किडनी की सबसे बड़ी दुश्मन मानी जाती है। शरीर में अधिक समय तक शुगर बढ़ी रहने पर यह किडनी की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है।

किडनी का मुख्य काम शरीर से अपशिष्ट और विषैले पदार्थों को छानकर बाहन निकालना है। लेकिन जब नाजुक रक्त नलिकाएं खराब होने लगती हैं, इससे प्रोसेस पर असर होता है। अधिक मीठा खाने से किडनी के काम करने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। वहीं समय रहते यदि इस पर ध्यान नहीं दिया जाता है, तो आगे चलकर यह किडनी को पूरी तरह से खराब कर सकती है। अधिक मीठा खाने से भी वेट बढ़ता है, जिससे ब्लड प्रेशर पर असर पड़ता है। हाई बीपी और शुगर दोनों की किडनी को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम खानपान पर ध्यान दें और रिफाइंड शुगर का सेवन कम करना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक नियमित व्यायाम, हेल्दी लाइफस्टाइल और समय-समय पर कुछ जरूरी टेस्ट करवाने के बाद किडनी को हेल्दी रखा जा सकता है। डिस्क्लेमरः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

दूसरे दिन की शुरुआत के साथ भारत को झटका, जडेजा 20 रन बनाकर आउट

खेल एजेंसी

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी चौथे टेस्ट का आज दूसरा दिन है। भारत की पहली पारी जारी है। गुरुवार का खेल 264/4 के स्कोर से शुरू हुआ है। ऋषभ पंत चोटिल होकर पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दूसरे दिन की शुरुआत झटके के साथ हुई है। भारत को पांचवां झटका जोफ्रा आर्चर ने दिया। उन्होंने रवींद्र जडेजा को अपना शिकार बनाया। वह 40 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए। अब शार्दुल ठाकुर का साथ देने वाशिंगटन सुंदर आए हैं। दूसरे दिन का खेल शुरू हो गया है। भारत ने पहले दिन स्टंप्स के समय चार विकेट पर 264 रन बनाए थे। अब जडेजा (19) और शार्दुल (19) इस स्कोर में इजाफा करने के लिए उतरे हैं। भारत पहले से ही चोट के संकट से जूझ रहा है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी (घुटने) सीरीज से बाहर हो चुके हैं और तेज गेंदबाज आकाश दीप (ग्रोइन) और अर्शदीप सिंह (अंगूठे) चौथे टेस्ट में नहीं खेल रहे हैं। शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज को चौथे टेस्ट में मौका दिया गया। पंत ने अब तक इस सीरीज में चार मैचों में 66 की औसत से 462 रन बनाए थे। इनमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। पंत इससे पहले भी चोट की वजह से काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उनका 2022 के दिसंबर में एक्सीडेंट हुआ था और पैर में गंभीर चोट लगी थी। उन्होंने करीब डेढ़ साल बाद आईपीएल 2024 से क्रिकेट में वापसी की थी। अब एक बार फिर वह चोटिल हो गए हैं। इंग्लैंड दौरे पर भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने का दौर जारी है और अब इसमें उपकप्तान ऋषभ पंत का नाम जुड़ चुका है। पंत चोटिल होकर इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बची सीरीज से बाहर हो चुके हैं। उन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पैर में चोट लगी थी। इसके बाद वह काफी दर्द में दिखे थे और रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। उन्हें स्कैन के लिए भी ले जाया गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया कि उनके पैर की अंगुली टूट गई है और डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। पहले दिन जायसवाल के अलावा साई सुदर्शन ने अर्धशतक जड़ा। यह उनके टेस्ट करियर का पहला पचासा है। उन्हें भी स्टोक्स ने ही अपना शिकार बनाया। वह ब्रायडन कार्स के हाथों कैच आउट हुए। सुदर्शन ने इस दौरान 151 गेंदों में सात चौकों की मदद से 61 रन बनाए। फिलहाल क्रीज पर रवींद्र जडेजा 37 गेंदों में 19 और शार्दुल ठाकुर 36 गेंदों में 19 रन बनाकर मौजूद हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन का खेल जल्दी समाप्त हो गया। मैनचेस्टर टेस्ट के शुरुआती दिन पंत गंभीर रूप से चोटिल हो गए। उनके दाहिने पैर में चोट लगी, जिसकी वजह से काफी सूजन है। पंत के पैर से खून भी निकलता दिखा। मैदान से बाहर जाने के लिए उन्हें एंबुलेंस का इस्तेमाल करना पड़ा। वह खड़े भी नहीं हो पा रहे थे। उल्लेखनीय है कि पंत को पिछले टेस्ट मैच में भी चोट लगी थी। उनकी अंगुली में चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग करते देखा गया था। अब उनके पैर में भी चोट लग गई है। पंत को रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। उन्होंने 48 गेंदों में 37 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से दो चौके और एक छक्का निकला। दूसरे सत्र में भारत ने तीन विकेट गंवाए। केएल और यशस्वी के अलावा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान शुभमन गिल भी आउट हो गए। उन्हें बेन स्टोक्स ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 12 रन बना पाए। तीसरे सत्र में ऋषभ पंत और साई सुदर्शन ने मोर्चा संभाला। दोनों ने 72 रन जोड़े, लेकिन पंत चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने भारत को पहली पारी में अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले सत्र में इंग्लैंड के गेंदबाजों पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन दूसरे सत्र में इंग्लैंड ने वापसी की और भारत को पहला झटका दिया।

चाइना ओपन में सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में

खेल एजेंसी

चांग्झू। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया और आखिरी क्षणों में भी संयम बनाए रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

ली की ऑस्ट्रेलियाई टीम ने गेल की वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया, लिन ने 27 गेंद में 81 रन बनाए

खेल एजेंसी

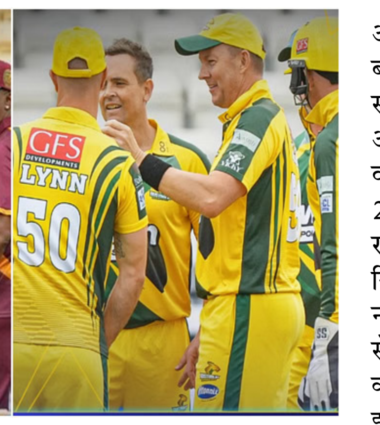

नॉर्थैम्पटन। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसके दो मैचों में एक जीत और एक बेनतीजा के साथ तीन अंक हैं। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम चौथे स्थान पर लुढ़क गई है। उसके दो अंक हैं। विश्व चैम्पियनशिप लीग ऑफ लीजेंड्स 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बुधवार को हुए मैचों की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने गेल की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज टीम को एकतरफा अंदाज में हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 142 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने केवल 9.3 ओवर में ही दो विकेट पर 143 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। लिली ने 27 गेंद में 81 रन की तूफानी पारी खेली। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसके दो मैचों में एक जीत और एक बेनतीजा के साथ तीन अंक हैं। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम चौथे स्थान पर लुढ़क गई है। उसके दो अंक हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही थी। विलियम पर्किंस 10 रन और कप्तान गेल 15 गेंद में चार चौके की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए। फिर ड्वेन स्मिथ 20 गेंद में 22 रन और चैडविक वॉल्टन खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। लेंडल सिमंस ने 28 गेंद में एक चौका और दो छक्के की मदद से 29 रन बनाए। वह अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। कीरोन पोलार्ड आठ गेंद में 10 रन बना सके। वहीं, ड्वेन ब्रावो ने 17 गेंद में 26 रन बनाए। एश्ले नर्स ने तीन रन बनाए। कॉटरेल छह रन और निकिता मिलर 11 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पीटर सिडल ने तीन और नाथन कुल्टर नाइल ने दो विकेट लिए। इसके अलावा ली, स्टीव ओ कैफे और डार्सी शॉर्ट को एक-एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलियाई टीम को क्रिस लिन ने तूफानी शुरुआत दी। हालांकि, शॉन मार्श सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर लिन ने डार्सी शॉर्ट के साथ दूसरे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। लिन 27 गेंद में छह चौके और आठ छक्के की मदद से 81 रन की तूफानी पारी खेलकर आउट हुए।

दिव्या देशमुख फिडे महिला विश्वकप के फाइनल में, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई किया

खेल एजेंसी

बातुमी (जॉर्जिया)। दूसरे सेमीफाइनल में कोनेरू हम्पी ने 75 चाल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त टिंगजी लेई के साथ ड्रॉ खेला। हम्पी अब छोटे प्रारूप में लेई के खिलाफ टाई-ब्रेकर खेलेंगी। अंतरराष्ट्रीय मास्टर 19 साल की दिव्या देशमुख नेफिडे महिला विश्व शतरंज कप के सेमीफाइनल के दूसरे गेम में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की झोंगयी टैन को हरा दिया और मिनी मैच 1.5-0.5 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इस प्रक्रिया में दिव्या कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिला कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट अगले साल होना है और उस टूर्नामेंट से मौजूदा महिला विश्व चैंपियन वेनजुन जू के प्रतिद्वंदी का फैसला होगा। दिलचस्प बात यह है कि दिव्या पहली बार विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोनर झू और तत्कालीन हमवतन ग्रैंडमास्टर डी हरिका को क्वार्टर फाइनल में हराने के बाद दिव्या ने इस प्रतियोगिता में अपना दबदबा बरकरार रखा और टैन के खिलाफ 101 चाल में जीत उनके बढ़ते शतरंज कौशल का प्रमाण था। दूसरे सेमीफाइनल में कोनेरू हम्पी ने 75 चाल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त टिंगजी लेई के साथ ड्रॉ खेला। हम्पी अब छोटे प्रारूप में लेई के खिलाफ टाई-ब्रेकर खेलेंगी।

नौ दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) कैटेगरी में विश्व युवा खिताब भी जीते। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए। उनकी निरंतर प्रगति ने उन्हें 2021 में महिला ग्रैंडमास्टर बना दिया और इसके साथ ही वह विदर्भ की पहली और देश की 22वीं महिला खिलाड़ी बनीं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। दिव्या ने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी प्राप्त कर लिया। 2024 में उन्होंने विश्व जूनियर गर्ल्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भी परचम लहराया, जहां उन्होंने 11 में से 10 अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा, 45वें चेस ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही। दिव्या एशियाई जूनियर चैंपियन भी हैं। दिव्या शतरंज की दुनिया में अब जाना-पहचाना नाम है। दिव्या देशमुख इस साल फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को मात दे चुकी हैं।

बोनमाटी के गोल से स्पेन पहली बार यूरो फाइनल में

खिताबी मैच में इंग्लैंड से सामना

खेल एजेंसी

ज्यूरिख। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डी'ओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डी'ओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। बोनमाटी ने मैच के बाद कहा, मैं इस खेल में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना चाहती थी और मैं उन सभी लोगों की आभारी हूं जिन्होंने मुझे इस स्तर तक पहुंचने में मदद की क्योंकि अकेले ऐसा करना संभव नहीं था।

ढाका में एसीसी की बैठक, बीसीसीआई वर्चुअली भाग लेगा, एशिया कप के मेजबान पर होगा फैसला

खेल एजेंसी

ढाका। एशिया कप टी20 के आयोजन स्थल को लेकर गतिरोध निश्चित रूप से चर्चा में आएगा क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई, अबुधाबी और शारजाह में मैदान होने के कारण यह एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहा है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के संबंध में गतिरोध टूटता हुआ प्रतीत हो रहा है क्योंकि बीसीसीआई ढाका में होने वाली बैठक में वर्चुअल तौर पर भाग लेने के लिए तैयार है। हालांकि, बीसीसीआई ने शुरू में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक का बहिष्कार किया था लेकिन अब वर्चुअल रूप से बैठक में भाग लेगा। एशिया कप टी20 के आयोजन स्थल को लेकर गतिरोध निश्चित रूप से चर्चा में आएगा क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई, अबुधाबी और शारजाह में मैदान होने के कारण यह एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहा है। मेजबानी की दौड़ में दूसरा देश श्रीलंका है क्योंकि भारत बांग्लादेश की यात्रा नहीं करेगा। एसीसीसी सूत्र ने बताया, %बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व उसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वर्चुअल रूप से करेंगे जो एसीसी बोर्ड के नामित सदस्य हैं। एशिया कप के आयोजन स्थल पर अंतिम निर्णय लिया जाना है इसलिए बीसीसीआई ने वर्चुअल रूप से बैठक में भाग लेने का फैसला किया है।% बीसीसीआई ने अगस्त में अपने बांग्लादेश दौरे को पहले ही स्थगित कर दिया है। उसने पहले महाद्वीपीय संस्था से आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध किया था। राजनीतिक अशांति और स्थिर सरकार के अभाव के कारण भारतीय बोर्ड पड़ोसी देश की यात्रा को लेकर संशय में है।

भारत को बड़ा झटका

ऋषभ पंत इंग्लैंड सीरीज से हुए बाहर, ईशान किशन को टीम में किया जा सकता है शामिल

खेल एजेंसी

मैनचेस्टर। पहली पारी में पंत 37 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जब रिवर्स स्वीप के चक्कर में गेंद आकर उनके पैर पर लगी। इसके बाद वह जमीन पर ही लेट गए और काफी दर्द में दिखे। पंत के दाहिने पैर से खून रिसता हुआ देखा गया, साथ ही शरीर के उस हिस्से में काफी सूजन भी थी। इंग्लैंड दौरे पर भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने का दौर जारी है और अब इसमें उपकप्तान ऋषभ पंत का नाम जुड़ चुका है। पंत चोटिल होकर इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बची सीरीज से बाहर हो चुके हैं। उन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पैर में चोट लगी थी। इसके बाद वह काफी दर्द में दिखे थे और रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। उन्हें स्कैन के लिए भी ले जाया गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया कि उनके पैर की अंगुली टूट गई है और डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। पहली पारी में पंत 37 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जब रिवर्स स्वीप के प्रयास में गेंद आकर उनके पैर पर लगी। भारतीय पारी के 68वें ओवर में क्रिस वोक्स की गेंद उनके दाहिने पैर पर लगी। इसके बाद वह जमीन पर ही लेट गए और काफी दर्द में दिखे थे। फीजियो के आने पर भी वह दर्द से कराहते दिखे थे। फिर उन्हें उठाकर ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन वह चल नहीं सके। फिर उन्हें एंबुलेंस में ले जाया गया। पंत के दाहिने पैर से खून रिसता हुआ देखा गया, साथ ही शरीर के उस हिस्से में काफी सूजन भी थी। पंत का बाहर होना बड़ा झटका है, क्योंकि वह इन फॉर्म बल्लेबाज हैं और मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में भी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। अब वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं आएंगे, जिससे भारत इस टेस्ट में एक कम बल्लेबाज के साथ उतरेगा। इसका नुकसान हो सकता है। इंग्लैंड की टीम पहले ही सीरीज में 2-1 से आगे है। अगर भारतीय टीम यह टेस्ट हारती है तो सीरीज भी हार जाएगी। वहीं, बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, %स्कैन रिपोर्ट में फ्रैक्चर दिखाया गया है और वह छह हफ्तों के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट का एलान करेगा और ईशान किशन रिप्लेसमेंट हो सकते हैं। पांचवां टेस्ट लंदन के द ओवल मैदान में 31 जुलाई से चार अगस्त तक खेला जाएगा। किशन ने हाल ही में नॉटिंघमशायर के लिए दो काउंटी मैच खेले हैं और साथ ही टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलने वाली भारत ए टीम का भी हिस्सा थे। हालांकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी दोनों मैचों में से किसी में भी नहीं खेला था। थिंक टैंक केएल राहुल को विकेटकीपिंग करने के लिए भी कह सकता है, लेकिन उन्होंने 2023-24 सीजन में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से यह जिम्मेदारी नहीं निभाई है। टीम के अन्य विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को चौथे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग-11 में नहीं रखा गया था।

बस सपाट पिचों पर ही..., भारतीय बल्लेबाजों को लेकर ये क्या बोल गए मांजरेकर! पंत की चोट पर भी बोले

खेल एजेंसी

मैनचेस्टर। *मांजरेकर ने कहा, मैनचेस्टर टेस्ट का पहला दिन उन लोगों के लिए करारा जवाब था जो यह मानते हैं कि यह युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम केवल सपाट पिचों पर या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन बनाता है। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने मैनचेस्टर में भारतीय बल्लेबाजी की तारीफ की है। उनका मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन विषम परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करते साबित कर दिया कि वे केवल सपाट पिचों या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन नहीं बनाते। भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में चार विकेट गंवाकर 264 रन बना लिए हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58) और केएल राहुल (46) ने भारत को ठोस शुरुआत दी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी निभाई।*

परांपरागत खेती के साथ तकनीक का करें उपयोग पायें बेहतर परिणामः उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह

उद्यानिकी फसलों को बढावा देने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का मंत्री श्री कुशवाह ने किया शुभारंभ

निज प्रतिनिधि, ग्वालियर।

उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनांतर्गत ग्वालियर जिले में उद्यानिकी फसलों को बढावा देने के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण श्री नारायण सिंह कुशवाह ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति श्री अरविंद कुमार शुक्ला, सहायक संचालक उद्यान विभाग ग्वालियर श्री एमपीएस बुंदेला, प्रगतिशील कृषक उज्जैन डॉ. योगेन्द्र कौशिक, सीनियर साइंटिस्ट भारतीय सब्जी अनुसंधान केन्द्र बनारस डॉ. एएन त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिकी कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर डॉ. शैलेन्द्र कुशवाह, प्रगतिशील कृषक पीलीबंगा जयपुर श्री भंवर सिंह शेखावत सहित बडी संख्या में ग्वालियर जिले के किसान उपस्थित रहे।

बाल भवन के सभागार में आयोजित कार्यशाला में उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा किसान परंपरागत खेती पर ही निर्भर न रहें बल्कि उद्यानिकी फसलों की ओर भी बढ़ें। इसमें थोड़ी सी तकनीक और फसल का उचित रखरखाव किसानों को घाटे के सौदे से निकालकर लाभ के धंधे में ला रहा है। इसके लिए किसी खास प्रशिक्षण की जरूरत भी नहीं होती। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि गांव में अधिक से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट एवं छोटे छोटे उद्योग लगायें जिससे किसान खुद की फसल का अच्छा दाम प्राप्त कर सके।

उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार नई योजना ला रही है जिसमें जो भी किसान एक बगिया मॉ के नाम पर लगाने का कार्य करेगा, तो सरकार उसको 3 लाख तक अनुदान प्रदान करेगी। उन्होने कहा कि किसानों की मेहनत के कारण लगातार खाद्{}न उत्पादन में मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। साथ ही कहा कि पहले प्रदेश के किसान फसलों की सिंचाई के लिए काफी परेशान रहते थे, जबसे नदी जोडो अभियान चला है और नये डेम बने है, तब से सिंचाई का रकवा काफी बडा है, जिस कारण फसल उत्पादन भी बडा है।

उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि हमें जैविक खेती को बढावा देना होगा, किसानों को अपनी फसलों में कम से कम कीटनाशक दबाओं का उपयोग करना चाहिए, क्योंकि इससे कई प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जिला कृषि एवं उद्यानिकी फसलों में आंगे बडे हमें ऐसे प्रयास करने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया उद्यानिकी विभाग में नये किसानों का अधिक से अधिक पंजीयन करायें जिससे प्रगतिशील किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध हो इसके लिए सरकार प्रयासरत है। किसानों को आईएसआई मार्क की ही मशीनरी एवं अन्य सामान उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कार्यशाला में कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति श्री अरविंद कुमार शुक्ला ने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से किसान अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। परंपरागत खेती के साथ-साथ उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अगर किसान कार्य करे तो उनकी आय दोगुना हो सकती है। कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नए-नए अनुसंधानों के बारे में भी किसानों को जानकारी लेकर उसका सदुपयोग करना चाहिए। कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा भी किसानों को उद्यानिकी फसलों के संबंध में तकनीकी जानकारी दी गई। इसके साथ ही प्रगतिशील कृषक डॉ. योगेन्द्र कौशिक ने भी अपने अनुभव से अवगत कराया।

आत्म देखभाल की भावना भी जागृत करते हैं शिविरः डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी

विप्र महिला मंच ने लगाया निशुल्क कैंसर एवं सीबीसी जांच शिविर

महिलाओं में बढ़ते स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर को लेकर जागरूकता सत्र भी हुआ

निज प्रतिनिधि, ग्वालियर।

विप्र महिला मंच की ओर से महिलाओं के लिए निऱ्शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन मानिक विलास कॉलोनी, हनुमान मंदिर के पास किया गया। इसमें स्तन कैंसर (मैमोग्राफी) एवं सीबीसी की जांच की गई। शिविर में उपस्थित सभी महिलाओं को जांच से पहले वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी और महिलाओं में बढ़ते स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर जागरूकता सत्र प्रदान किया गया। इसके बाद सभी प्रतिभागी महिलाओं ने स्वेच्छा से अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस अवसर पर स्वावलंबी भारत अभियान की अखिल भारतीय महिला प्रमुख डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने कहा कि महिला स्वास्थ्य आज की एक प्रमुख आवश्यकता है, और ऐसे शिविर महिलाओं को न केवल स्वास्थ्य जांच का अवसर देते हैं, बल्कि उनमें आत्म-देखभाल की भावना भी जागृत करते हैं। अंत में मंच की अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने डॉक्टर्स को स्मृति चिन्ह भेंट किए। शिविर में सुधा दीक्षित, रचना गौड़, रेनू शर्मा, शशि गोस्वामी, आभा शर्मा, कल्पना पाठक, सीमा दुबे, अनीता देपुरिया, कल्पना ऋषीश्वर, मनीषा शुक्ला, पल्लवी शर्मा, कृष्णा विश्राम शर्मा, रश्मि त्रिपाठी, नीतू उपमन्यु, सपना पारशर, ज्योति नोरके, हेम शर्मा, दीप्ति शर्मा, आशा त्रिपाठी, ज्योति शर्मा, सुमन शर्मा सहित कई अन्य संगिनियां उपस्थित रहीं।

ये है उद्देश्य

डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं, विशेषतः स्तन व सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और प्रारंभिक चरण में जांच सुनिश्चित करना था।

प्रभात झा की प्रथम पुण्य तिथि आज, अनूप जलोटा आएंगे

भव्य समारोह के साथ पुस्तक विमोचन एवं फिल्म प्रदर्शन, चित्र प्रदर्शनी भी

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, देश के वरिष्ठ पत्रकार व विचारक रहे स्व. प्रभात झा की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्वालियर में शुक्रवार 25 जुलाई को शाम 5 बजे कार्यक्रम किया जा रहा है। इस समारोह में प्रदेश के शीर्ष वरिष्ठ नेता, मंत्रीगण सम्मिलित होकर प्रदेश के दिवंगत प्रेरणादायी आदर्श पुरुष एवं कलम के धनी अपने युग के महान पत्रकार को सादर नमन करेंगे। आयोजन समिति ने कार्यक्रम को सफल एवं निर्विघ्न बनाने के लिए दायित्व बांट दिए हैं। कार्यकर्ता उसी के अनुरूप आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। यह जानकारी भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया ने दी।इस कार्यक्रम में देश के प्रख्यात भजन गायक अनूप जलोटा श्रद्धा एवं भक्ति के भावों से सराबोर सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे।

इसमे अंचल सहित विभिन्न राजनैतिक पार्टियों एवं सामाजिक संगठनों के लोग अपने प्रिय रहे स्व. प्रभात झा को भावांजलि अर्पित करेंगे। श्री राजौरिया ने ग्वालियर अंचल के लोगों से इस पुण्य स्मृति अवसर पर उपस्थित रहने का विनम्र आग्रह किया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए युवा भाजपा नेता तुष्मुल झा ने बताया कि अनूप जलोटा की भजन संध्या से पूर्व एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा जिसमें स्वर्गीय प्रभात जी द्वारा विभिन्न विषयों पर लिखे गए लेख एवं उनके द्वारा किए गए कार्यक्रमों के चित्रों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित होती। साथ ही एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी होगा।

भजन संध्या के बाद ÷हमारे भारत रत्न÷ पुस्तक का विमोचन किया जाएगा, जिसकी संपादकीय स्व. प्रभात झा ने लिखी थी। यह संपादकीय उनकी अंतिम संपादकीय थी। इसके बाद उपस्थित वरिष्ठ नेताओं एवं सामाजिक क्षेत्र के वरिष्ठ व्यक्तियों द्वारा अपने शब्दों द्वारा स्व. प्रभात जी को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

तैयारियों को दिया अंतिम रूप

भाजपा नेताओं ने आज अटल सभागार, जीवाजी विवि पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, रामेश्वर भदोरिया, महामंत्रीगण विनोद शर्मा, विनय जैन, राजू पलैया, संभागीय मीडिया प्रभारी राजलखन सिंह, वरिष्ठ नेता उदय अग्रवाल, अरूण कुलश्रेष्ठ, राजू सेंगर, शिवेंद्र सिंह राठौर, विवेक शर्मा, तोसिफ खान, दीपक शर्मा, शिव सिंह यादव समेत अनेक कार्यकर्ता उपपस्थित रहे।

तिघरा जलाशय के समीप पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई

निज प्रतिनिधि, ग्वालियर।

तिघरा जलाशय के समीप ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सफल युवा मंडल एवं बाल कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

पौधरोपण कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री सोमेश महंत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पेड़ लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है।कार्यक्रम का संचालन सफल युवा मंडल के अध्यक्ष श्री अरविंद कुशवाहा ने किया। उन्होंने कहा कि ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान का उद्देश्य प्रकृति के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना को जगाना है।इस अवसर पर अंजू भदौरिया, रश्मि त्रिपाठी, संतोष कुमार शर्मा, मनीष शर्मा, चरण सिंह, ऋतिक बाथम, राजेंद्र सोनी व प्रवीण कुशवाहा भी मौजूद रहे।

जनसहयोग जन कल्याण बहुउद्देशीय समित ग्वालियर ने किया हरियाली अमावस्या पर वृक्षारोपण

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

हरियाली अमावस्या के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भांति जन सहयोग जन कल्याण बहुद्देशीय समिति ग्वालियर द्वारा वृक्षारोपण,तुलसी वितरण एवं जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।रैली सुबह 10:00 बजे गिर्राज जी मंदिर चार शहर का नाका से शुरू हुई रैली में डॉक्टर रश्मि मिश्रा हस्ज्ञ सेंटर सिविल हॉस्पिटल ग्वालियर, बी एल अहिरवार प्राचार्य वीरांगना झलकारी बाई कन्या महाविद्याल ग्वालियर , ओंमकार सिंह भदोरिया वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं जन सहयोग जन कल्याण बहुद्देशीय समिति ग्वालियर के अध्यक्ष श्री उमेश कुशवाह तथा महिला अध्यक्ष शशि सिंह जी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली झलकारी बाई कन्या महाविद्यालय मुरैना रोड पर पहुंची जिसमें गणमान्य नागरिकों एवं महिलाओं बच्चों एवं महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ छात्रों द्वारा वृक्षारोपण किया गया कार्यक्रम में इंटक के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह नाती ,रतिराम यादव उपस्थित हुए कार्यक्रम के बारे में अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाह ने बताया कि आज के कार्यक्रम में लगभग 300 वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग द्वारा 15 जुलाई से चलाए जाने वाले नशा मुक्ति अभियान के तहत तहत हजीरा थाना प्रभारी शिवमंगल सिंह सेंगर जी ने नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलाई साथ ही ÷जीवन में एक पेड़ अवश्य लगाए÷ जाने वाले अभियान की सराहना की कार्यक्रम में रमेशसिंह तोमर,सत्यबीर सिंह तोमर,हेल्पगुरु प्रमोद राजावत ,टी एन सिंह,सहदेव सिंह तोमर,देवेंद्र सिंह भदौरिया,चारु राउत,बरखा,खुशबू तोमर,अपर्णा राजावत, रत्ना,ज्योतिं,मंजू, कृष्ण शर्मा,माया शर्मा,संतोष भदौरिया,विमला खंडेलवाल,नीता भदौरिया,दीपा,गुड़िया, कामिनी,स्वाति,अन्नू , गुंजन,रानी गुप्ता,इंदु,रुक्मिणी, हेमलता,रूबी, रोली भदौरिया,नेहा परमार,अनीता, अमन राजावत ,ज्ञानेंद्र भदोरिया, स्वदेश, मनोज, विक्रम तोमर, प्रियांशु सहित सैकड़ो की संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

निगम परिषद की बैठक में लिए अनेक निर्णय

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

नगर निगम परिषद के विशेष अभियाचित सम्मेलन का आयोजन सभापति श्री मनोज सिह तोमर की अध्यक्षता में निगम परिषद कार्यालय में आयोजित किया गया। विशेष अभियाचित सम्मेलन में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर अनेक निर्णय लिए गए।निगम परिषद में आयोजित बैठक में श्री विवेकानंद नीडम के पास नवनिर्मित पुल का नाम स्वामी विवेकानंद सेतु के नाम से करने, कै श्री प्रभात झा की प्रथम पुण्यतिथि को स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में गोले का मंदिर से 7 नम्बर चौराहे तक की रोड का नाम प्रभात झा मार्ग किये जाने बावत्, महापौरों की प्रतिमा को बालभवन परिसर में स्थापित किये जाने के प्रस्ताव पर सभापति श्री मनोज तोमर ने स्वीकृति प्रदान की।

इसके साथ ही पाटनकर चौराहे पर स्थित शिवाजी पार्क में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति स्थापित करने बावत्, बहोडापुर चौराहे पर अमर शहीद पं.

रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा लगाया जाना प्रस्तावित, रेसकोर्स रोड ग्वालियर का नामकरण वीर योद्धा महाराणा प्रताप के नाम से किया जाना प्रस्तावित, जिला हॉस्पीटल मुरार में पूर्व से स्थापित कै. श्रीमंत महाराजा माधवराव सिंधिया जी की प्रतिमा की स्वीकृति दी जाना प्रस्तावित, हुरावली व्यवसायिक एवं आवासीय कॉम्पलेक्स का नामकरण कै. श्रीमंत माधवीराजे सिंधिया परिसर किया जाना प्रस्तावित, रॉक्सी पुल से लक्कडखाना पुल तक के मार्ग का नाम पूर्व पार्षद, पूर्व स्थाई समिति अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित अधिवक्ता स्व. श्री श्याम बिहारी मिश्रा के नाम से किया जाने पर सभापति श्री मनोज तोमर ने स्वीकृति प्रदान की।साथ ही गुढी तिराहे का नाम संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज के नाम से किया जाना प्रस्तावित, शताब्दी पुरम में टाईगर चौक चौराहा पर महाराज शूरसेन कछ्वाह की प्रतिमा स्थापना किया जना प्रस्तावित, पार्षद श्री दीपक मांझी के प्रस्ताव पर सागरताल चौराहा पर महाराज निषादराज की प्रतिमा स्थापित किया जाने, हनुमान बांध सिकन्दर कम्पू में स्थित काशीबाबा देव जी के मंदिर पर प्रजापति समाज के महाराजा दक्ष प्रजापति की मूर्ति स्थापित किया जाना प्रस्तावित, प्रधानमंत्री आवास योजना मानपुर फेस-1 का नामकरण पंडित दीनदयाल उपाध्याय परिसर किया जाना प्रस्तावित, प्रधानमंत्री आवास योजना मानपुर फेस-2 का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी परिसर किया जाना प्रस्तावित, प्रधानमंत्री आवास योजना मेहरा, सिरोल का नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेयी परिसर किया जाने पर सभापति श्री मनोज तोमर ने स्वीकृति प्रदान की।इसके साथ ही व्यवसायिक एवं आवासीय कॉम्पलेक्स सागरताल का नामकरण पूर्व उपमहापौर श्री श्रीचंद जैसवानी परिसर किया जाना प्रस्तावित, प्रधानमंत्री आवास योजना महलगांव यशोदा रेसीडेन्सी के सामने का नामकरण पूर्व विधायक स्व. श्री गंगाराम बांदिल परिसर किया जाना प्रस्तावित, प्रधानमंत्री आवास योजना महलगांव पहाड़ी का नामकरण पूर्व महापौर स्व. श्री भाऊ साहब पोतनीस परिसर किया जाना प्रस्तावित, रेल्वे ओवरब्रिज मलगढ़ा थाना, ग्वालियर का नामकरण पूर्व महापौर एवं विधायक स्व. डॉ. धर्मवीर शर्मा के नाम से किया जाना प्रस्तावित।

पीड़ित परिजनों के साथ पूरी सरकार है, किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने देंगेः प्रभारी मंत्री श्री सिलावट

पवित्र काँवड़ यात्रा में मृत हुए लोगों के परिजनों से मिले प्रभारी मंत्री

अस्पताल में भर्ती मरीज को भी एक लाख रूपए की सहायता दी जायेगी

ग्राम सीडन में शीघ्र लगेगा जन समस्या निवारण शिविर

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट घायल को देखने अस्पताल और पीड़ित परिजनों से मिलने

निज प्रतिनिधि, ग्वालियर।

ग्वालियर में गत दिनों उटीला के भदावना से काँवड़ भरकर घाटीगाँव के सिमिरियाटांका गाँव जाते समय दुर्घटना में हताहत हुए काँवड़ियों के परिजनों से मिलने प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट पीड़ित परिवार के गाँव पहुँचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही पूरी सरकार उनके साथ है। दुख की इस घड़ी में उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जायेगी।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने गुरुवार को ग्वालियर आकर सबसे पहले बसंत विहार स्थित एक निजी अस्पताल में उपचाररत घायल काँवड़िया से मिले और उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया है कि घायल युवक का बेहतर और निऱ्शुल्क इलाज किया जाए। इसके साथ ही घायल को एक लाख रूपए सहायता देने की घोषणा भी की।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट इसके उपरांत घाटीगाँव के सिमरियाटांका के समीप ग्राम सीडन का चक पहुँचे और दुर्घटना में मृत हुए युवाओं के परिवारजनों से मिले और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि प्रदेश की पूरी सरकार संकट की इस घड़ी में उनके साथ है। उन्हें व उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जायेगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुर्घटना में मृत हुए परिवारजनों को 4 - 4 लाख रूपए की सहायता स्वीकृत कर दी है। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को निऱ्शुल्क 10 दिन का खाद्यान्न भी उपलब्ध कराया जायेगा। ग्रामवासियों की शिकायतों के निवारण के लिये गाँव में ही एक शिविर का आयोजन भी शीघ्र किया जायेगा। इस शिविर में सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करेंगे।

प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह से कहा है कि सम्पूर्ण जिले में पवित्र काँवड़ लेकर निकलने वाले काँवड़ियों की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। इसके साथ ही प्रमुख स्थानों पर उनके रुकने, विश्राम करने एवं जलपान की व्यवस्था भी की जाए।

स्वत्वाधिकर स्वामी; प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक महेंद्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स गुड़ी गुड़ा का नाका 14 बटालियन न्यू कुशवाहा कॉलोनी ग्वालियर मध्य प्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा-सह संपादक मनीष तिवारी समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा मोबाइल नंबर 9074692488 -9340719851 Email, Navneete&press 33@gmail.com. पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार RNI-MPHIN/2016/69280

पत्राचार का पता : दुबे सदन, बाबूजी की बगिया, गुड़ा चक्की, कंपू लश्कर, ग्वालियर 474001